छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg. No.-CHHHIN/2009/36148
डाक पंजीयन क्र.-45/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 16 ■ अंक - 287 ■ अम्बिकापुर, मंगलवार 10 नवम्बर 2025 पृष्ठ -8 ■ मूल्य - 1 रूपये

WWW.cgfrontline.com

लाल किले के पास कार में जोरदार धमाका, 8 की मौत और 24 घायल, दिल्ली- एनसीआर में हाई अलर्ट

छ.ग.फ्रंटलाइन दिल्ली। लाल किले के पास इको वैन में जोरदार धमाका हुआ है, जिसके बाद यहां अफरातफरी मच गई है. धमाके में आठ लोगों की मौत हो गई है जबकि 24 लोगों के घायल होने की खबर है जिनमें से कुछ की हालत गंभीर है. मृतकों के शव लोक नारायण जयप्रकाश अस्पताल में ले जाए गए हैं. मौत का आंकड़ा बढ़ भी सकता है. यह धमाका हाई इंटेंसिटी का था. एनआईए की टीम मौके पर भेजी जा रही हैं. धमाका इतना तेज था कि 5-6 गाड़ियों के परखच्चे उड़ गए। फायर ब्रिगेड के पास धमाके की सूचना 6 बजकर 55 मिनट पर आई थी. दिल्ली पुलिस की टीम जांच में जुट गई है. फोरेंसिक और टेक्निकल एक्सपर्ट मौके पर पहुच रहे हैं जो यह पता लगाएंगे की आखिर यह ब्लास्ट किस तरह का है. ब्लास्ट की वजह से आस पास की स्ट्रीट लाइट भी टूट गई. सूत्रों के मुताबिक लाल किला मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर 1 के पास हुए विस्फोट के कारण कई घायलों को एलएनजेपी अस्पताल लाया गया है।

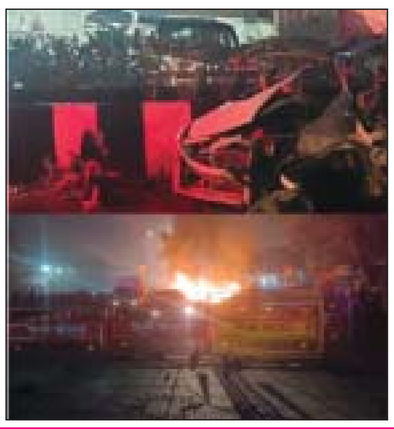

धमाके के बाद पूरी दिल्ली में हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया है. जिस तरह के हालात अभी हो गए हैं, उससे यह भी प्रतीत होता है कि यह बड़ी साजिश भी हो सकती हैं. इस बीच नजदीक की चांदनी चौक मार्केट को बंद कर दिया गया है.लाल के आसपास के पूरे इलाके और सड़कों को बंद कर दिया गया है।

धमाके के बाद कार में भीषण आग लग गई और उसकी चपेट में 7-8 और गाड़ियां भी आ गईं. धमाके की जो तस्वीरें आ रही हैं वो विचलति करने वाली हैं. यह धमाका लाल किला मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर 1 पर हुआ है। धमाके के बाद आसपास खड़ी गाड़ियों के भी शीशे टूट गए. जिस समय यह धमाका हुआ उस समय वहां पर काफी भीड़ थी. 2-3 घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है. धमाका कार में लगी सीएनजी से हुआ या फिर किन्हीं अन्य वजहों से, इसका अभी तक पता नहीं चल सका है.फायर ब्रिगेड की गाड़ियां भी मौके पर हैं और आग पर काबू पाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

लाल किले के पास हुए धमाके ने सुरक्षा एजेंसियों की नींद उड़ा दी है. शुरुआती जांच में यह मामला सिर्फ एक लोकल धमाका नहीं लग रहा. यह धमाका ऐसे समय में हुआ है जब आज ही दिल्ली से सटे फरीदाबाद में 2900 किलो अमोनियम नाइट्रेट मिला है. हालांकि दोनों घटनाओं को अभी आपस में जोड़ना जल्दबाजी होगी। अमोनियम नाइट्रेट वही केमिकल है जो आमतौर पर विस्फोटक बनाने में इस्तेमाल होता है. जांच के दौरान सामने आया कि यह अमोनियम नाइट्रेट अलग-अलग सूटकेसों और प्लास्टिक कंटेनरों में भरा हुआ था।

न्याय की गुहार के बीच कहर बनकर टूट पड़ी पुलिस, महिला और बच्चों की नहीं की परवाह

आम लोगों के जुबां से निकला-पुलिस ने बर्बरता की हद पार की, शव नहीं ले गए परिजन

मामला धनंजय ज्वेलर्स में चोरी और पुलिस अभिरक्षा में युवक की मौत का

छ.ग.फ्रंटलाइन बलरामपुर। नगर के धनंजय ज्वेलर्स में हुई चोरी के आरोपित उमेश सिंह को हिरासत में लेने के बाद बलरामपुर पुलिस की अभिरक्षा में मौत का मामला स्वजन के द्वारा मारपीट करके हत्या का आरोप लगाने और शव ले जाने से इन्कार कर देने से उलझकर रह गया है। जिला अस्पताल के शव गृह के बाहर वाहन में घंटों मृतक का शव रखा हुआ था। इधर स्वजन उमेश की मौत पुलिस की पिटाई से होने का आरोप लगा रहे थे। युवक की मौत से व्यथित स्वजन न्याय की गुहार लगाते सिटी कोतवाली के गेट के सामने बैठे थे। इस दौरान दिल दहलाने वाला मंजर देखने को मिला। 20 मिनट हुए होंगे, पुलिस की संवेदनशीलता खत्म हो गई, बल प्रयोग का नजारा देखकर लोग दंग रह गए। मासूम बच्चों की परवाह किए बगैर महिलाओं का बाल, हाथ पकड़कर खींचने जैसे परिदृश्य को देखने के बाद लोगों के जुबां से निकलने लगा, समझा जा सकता है उमेश को किस हालात का सामना करना पड़ा होगा। इधर पुलिस अधिकारियों की ओर से मामले की जांच एक सप्ताह में पूरी करने के लिए आश्वस्त किया जा रहा है। समाचार लिखने तक मृतक का बॉडी लेकर स्वजन रवाना नहीं हुए हैं। न्याय की आस में पथराई आंखें लिए वे भूखे-प्यासे भटक रहे हैं। जांच के आधार पर कार्रवाई की बात स्वजन को स्वीकार नहीं है, वे प्रकरण में तत्काल जिम्मेदारी तय करते हुए कार्रवाई की बात पर अड़े हैं। रविवार को न्यायिक मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में पंचनामा और पोस्टमार्टम के बाद से शव कभी वाहन तो कभी मर्च्युरी में रखवाने की कवायद चल रही है।

घसीटते हुए सड़क से हटाया

मृतक उमेश के स्वजन गोद में नन्हे-मुन्ने बच्चों को लेकर न्याय की मांग कर रहे थे। वे बिलखते हुए बार-बार यही कहते दिखे हमारे बेटे को पुलिस ने पीट-पीट कर मार डाला, हमें न्याय दो लेकिन इन पुकारों के बीच पुलिस ने जिस तरह से धक्का-मुक्की और घसीटते हुए इन्हें सड़क से हटाया, उसने सबका दिल दहला दिया। पुलिस की बेरहमी इस कदर थी कि महिलाओं तक को नहीं बख्शा गया। गोद में छोटे बच्चों को लिए माताएं जमीन पर गिरती रहीं, चीखती-चिल्लाती रहीं, लेकिन वर्दीधारी बेपरवाह रहे। आम नागरिकों की आंखों के सामने यह मंजर किसी दु:स्वप्न से कम नहीं था। हर कोई शर्म से सिर झुकाए खड़ा था। कई लोगों ने इस घटना के वीडियो और फोटो सोशल मीडिया पर वायरल किया, जिसमें इंसानियत की सारी सीमाएं लांघने जैसा परिदृश्य पुलिस का सामने आ रहा है। लोगों का कहना है कि पुलिस का दरिंदगी भरा यह रूख पूरे बलरामपुर के लोगों को आहत किया है।

...तो दोषियों पर होगी कठोर कार्रवाई

सीतापुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक रामकुमार टोप्पो ने पुलिस अभिरक्षा में युवक की मौत के मामले में बयान जारी करके कहा है कि कहीं भी चूक हुई है, तो दोषियों पर कठोर कार्रवाई होगी। विधायक ने मृतक के स्वजन से बातचीत करके निष्पक्ष जांच का भरोसा दिलाया है। उन्होंने पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से तत्संबंध में चर्चा करके मामले की निष्पक्ष जांच व कार्रवाई करने की बात कही है। विधायक ने पोस्टमार्टम न्यायिक मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में कराने का आग्रह किया था, जिसे संज्ञान में पुलिस अधिकारियों ने लिया था। बता दें कि बलरामपुर के धनंजय ज्वेलर्स में चोरी की घटना में 9 लोगों को गिरफ्तार किया गया है, इनमें सीतापुर थाना क्षेत्र के ग्राम नकना का उमेश सिंह भी शामिल था। पुलिस उमेश को साथ लेकर चोरी गए जेवरातों की बरामदगी के लिए निकली थी। इधर पुलिस अभिरक्षा में मौत की घटना सामने आने के बाद पुलिस के द्वारा की गई मारपीट से मौत का आरोप स्वजन ने लगाया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मृतक उमेश सिंह को सिकलसेल की बीमारी थी। पिछले एक वर्ष में वह 10 बार अस्पताल में भर्ती हुआ है। अस्पताल में उपचार के दौरान उसकी मौत हुई है।

बृहस्पति के अंदर महिलाओं के प्रति सम्मान की भावना नहीं

पूर्व महापौर डॉ. अजय तिर्की ने की पत्रकारों से चर्चा

छ.ग.फ्रंटलाइन रामानुजगंज। रामानुजगंज विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 7 के पूर्व विधायक बृहस्पति सिंह का एक बयान पूरे कांग्रेस पार्टी में खलबली मचा दिया है। सरगुजा संभाग के सभी पदाधिकारी बारी-बारी से अपना विरोध दर्ज कराने में लगे हुए हैं। प्रेस वार्ता के माध्यम से तो कोई थाने में आवेदन देकर अपराधिक मामला दर्ज करने की मांग कर रहा है।

इसी क्रम में अंबिकापुर नगर निगम के पूर्व महापौर डॉ. अजय कुमार तिर्की एवं रामानुजगंज विधानसभा क्षेत्र के भावी प्रत्याशी प्रेस वार्ता का आयोजन करके कहा वर्ष 2023 में हो रहे विधानसभा चुनाव कांग्रेस पार्टी ने बृहस्पति सिंह टिकट न देकर उन्हें टिकट प्रदान किया। वे बृहस्पति सिंह से मुलाकात कर जीत की रणनीति तय करने के लिए उनके दरवाजे पर कई बार गए लेकिन उन्होंने मिलने से साफ इन्कार कर दिया और भाजपा प्रत्याशी के साथ जा मिले, जहां करोड़ों की लेन-देन हुई और भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में प्रचार-प्रसार करके उनको जिताया गया, जो काफी निंदनीय है। उन्होंने कहा कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिका अर्जुन खड़गे और राहुल गांधी के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ प्रदेश सह प्रभारी जरिता लैतफलांग के ऊपर अनर्गल आरोप लगाना न केवल

कांग्रेस पार्टी के लिए चिंता का विषय है बल्कि उनके कार्यप्रणाली से ऐसा प्रतीत होता है कि महिला के प्रति सम्मान की उनके अंदर कोई भावना नहीं है। सुर्खियों में बने रहने के लिए हमेशा विवादित बयान दिया जाता हैं और मामला फंसने पर माफी भी मांग लेते हैं। डॉ. तिर्की ने कहा कि विधायक रहते हुए बृहस्पति सिंह ने संगठन के साथ कभी तालमेल नहीं रखा, हमेशा व्यक्तिगत स्वार्थ को प्राथमिकता दी। उन्होंने बंगाली बसाहट क्षेत्र की जमीन को अवैध रूप से कब्जाने का भी आरोप लगाया, और कहा कि इन दिनों पूर्व विधायक बृहस्पति सिंह कांग्रेस से निष्कासित हैं। पार्टी ने उनके अनुशासनहीन बयानों और संगठन विरोधी गतिविधियों के चलते यह कार्रवाई की है। इस दौरान जिला महामंत्री अजय कुमार गुप्ता, मोहन सिंह, प्रमोद गोस्वामी, मनोज दुबे, व्यास मुनि यादव, अशोक गोड़, नीरज गुप्ता सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बयानबाजी पर मजे ले रही जनता

जनता बड़े दिनों से खस्ताहाल सड़कों से परेशान थी, सड़क कब बनेगा इसी उधेड़बुन में अपने आप को कोसते चली जा रही थी कि जब भी सरकार चुनें सोच समझकर चुनें, ताकि आने वाले समय में मूलभूत सुविधाओं का लाभ मिल सके। इन सबके बीच एक बयान ने आम जनता का ध्यान दूसरी पटरी पर लाकर खड़ा कर दिया है। अब जनता इस बात पर चर्चा कर रही है कि जितना दम-खम एक व्यक्ति के प्रति दिखाया जा रहा है, यही दायित्व जनता को राहत पहुंचाने के लिए निभाया जाता तो शायद जनता का विश्वास उस पार्टी के प्रति सशक्त होता, जो अभी सत्ता से पृथक होकर अलग-अलग दिखाई दे रही है। खैर सियासत करने वालों का जनता की मूलभूत सुविधाओं से कोई सरोकार नहीं है, क्योंकि विपक्ष में कोई भी पार्टी आम जनता के लिए कभी कोई ठोस पहल नहीं करती और तमाशाबीन बने रहती है। फिलहाल बयानबाजी का दौर चल रहा है और जनता हर एक बयान पर मजा लेने और पढ़ने, सुनने में लगी है।

संभागायुक्त के आदेश की परवाह नहीं, पूर्वजों की भूमि से नहीं हटा संपन्न लोगों का नाम

कई कलेक्टर आए और चले गए, न्याय की उम्मीद लिए भटक रहा ग्रामीण

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरगुजा जिला के सीतापुर तहसील क्षेत्र अंतर्गत का एक ग्रामीण अपने पूर्वजों की भूमि प्राप्त करने के लिए चक्कर काट रहा है। उसे इस जमीन से मोह इसलिए है क्योंकि उसका बचपन और युवावस्था इसी जमीन की मिट्टी की सौंधी महक के बीच बीता है। जब वह सोचने-समझने लायक हुआ तो उक्त जमीन पर खेती किया, अचानक पैतृक भूमि के 9 दावेदार रिकार्ड में शामिल हो गए, और उक्त जमीन इनके नाम दर्ज हो गया। कई कलेक्टर आए और चले गए, लेकिन वह पैतृक भूमि में होने वाली खेती और इससे मिलने वाले लाभ से वंचित है, जबकि सरगुजा संभागायुक्त ने पैतृक सेटेलमेंट की भूमि को वास्तविक भूमि स्वामी के राजस्व रिकार्ड में दर्ज करने का आदेश 31 दिसम्बर 2024 को दिया है। कलेक्टर के जनदर्शन में आवेदन देते प्रौढ़ अवस्था पार कर रहा ग्रामीण प्रशासन उसका हक वापस दिलाएगा, इस आस में पुन: सोमवार को कलेक्टोरेट में चक्कर काटते नजर आया। ग्रामीण का कहना है कि सीतापुर पुलिस भी धन-बल से संपन्न लोगों के आगे नत है, और उसे भगा दिया जाता है। सीतापुर तहसील अंतर्गत आने वाले ग्राम हरदीसांड़ के दूबराज घासी 53 वर्ष ने बताया कि गांव में उसका पैतृक सेटेलमेंट की भूमि कुल 12 खसरा नम्बर में रकबा 4.655 हेक्टेयर है, जिस पर वह

बचपन से काबिज होकर खेती-किसानी करते आ रहा था। इसे पालूराम पिता रामेश्वर 45 वर्ष, श्याम प्रसाद पिता रामेश्वर 35 वर्ष, शशि कुमार पिता रामेश्वर 30 वर्ष, शंभू पिता रामेश्वर 25 वर्ष, भुनेश्वर पिता जगमोहन 40 वर्ष, भुनउ पिता जगमोहन 35 वर्ष, सर्वेश्वर पिता जगमोहन 35 वर्ष, सुभाष पिता जगमोहन 32 वर्ष, चंदरदेव पिता जगमोहन 30 वर्ष सभी निवासी ग्राम बेलगांव थाना व तहसील सीतापुर वर्तमान में अपना नाम चढ़वा लिए हैं। इसका रिकार्ड दुरूस्त कराने के लिए वह आयुक्त सरगुजा संभाग के यहां अपील किया था, जिसमें उसके पक्ष में रिकार्ड दुरूस्त करने के लिए तहसीलदार सीतापुर को आदेशित किया गया है। इसके बाद भी तहसील कार्यालय के द्वारा रिकार्ड दुरूस्त करने की कार्रवाई नहीं की गई है। आरोप है उपरोक्त भूमि पर अनावेदकों के द्वारा हल्का पटवारी से मिलीभगत करके पिछले कई वर्षों से किसान क्रेडिट कार्ड बनवाकर खाद, बीज का लाभ लिया जा रहा है और आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित ग्राम पेटला, तहसील सीतापुर में धान बेचा जा रहा है, उसकी जानकारी में उक्त भूमि पर इनका कभी कब्जा नहीं रहा है। ऐसे में ये अनाधिकृत रूप से समर्थन मूल्य में धान बिक्री करने में लगे हैं। दूबराज ने किसान क्रेडिट कार्ड व धान बिक्री का पंजीयन निरस्त करने और धोखाधड़ी करके शासन से राशि प्राप्त करने वालों के विरूद्ध कार्रवाई की मांग की है।

संभागायुक्त ने तहसीलदार को दिया ये आदेश

कार्यालय आयुक्त, सरगुजा संभाग ने तहसीलदार सीतापुर को इस मामले में 31 दिसम्बर 2024 को आदेशित किया है कि अनावेदकों को कुल खसरा नंबर 12, रकबा 4.665 हेक्टेयर भूमि किस माध्यम से प्राप्त है, इसका नामांतरण पंजी 1962 का अवलोकन करने पर कहीं इन्द्राज नहीं पाया गया है। उक्त वाद भूमि में दूबराज पिता भूखा का कब्जा है एवं पूर्व से उनके पूर्वजों का रहा है। अनावेदकगणों का कभी भी उक्त भू-खण्डों पर कब्जा नहीं रहा है। आपको आदेशित किया जाता है कि आपके जांच प्रतिवेदन के आधार पर न्यायालय में प्रकरण दर्ज कर आवेदक के नाम से अभिलेख अद्यतन करने की कार्रवाई करना सुनिश्चित करें। आदेश देने के 11 माह बाद भी ग्रामीण के नाम पर न तो भूमि हो पाई है और न ही वह इसमें खेती करके समर्थन मूल्य पर धान बिक्री का लाभ ले पा रहा है।

नशीले इंजेक्शन के साथ संदिग्ध गिरफ्तार, सप्लायर के तलाश में लगी टीम

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। आबकारी उड़नदस्ता टीम के द्वारा नशीले इंजेक्शन की बिक्री में शामिल एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है और उसके कब्जे से 34 नग अलग-अलग नाम का इंजेक्शन बरामद किया है।

संभागीय आबकारी उड़नदस्ता टीम को 9 नवम्बर को देर शाम मुखबिर से सूचना मिली कि मौलवी बांध तालाब, गौरव पथ रोड के पास ब्रह्मपारा का दिलीप नामदेव वाहन क्रमांक सीजी 15 डीडी 6451 से घूम-घूमकर नशीला इंजेक्शन बेच रहा है। सहायक जिला आबकारी अधिकारी रंजीत गुप्ता टीम के साथ मौलवी बांध तालाब के आसपास घेराबंदी करके पहुंचे तो संदिग्ध व्यक्ति दिलीप नामदेव निवासी ब्रम्हपारा मिला। गाड़ी की तलाशी लेने पर डिक्की में 14 नग टैलजेसिक इंजेक्शन, 2 नग रेक्सोजेसिक इंजेक्शन व 18 नग एविल इंजेक्शन मिला। आरोपी को एनडीपीएस एक्ट की धारा 22 सी के तहत गिरफ्तार कर 10 नवम्बर को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल दाखिल करने का आदेश प्राप्त हुआ। कार्रवाई में आबकारी उपनिरीक्षक तेजराम केहरी, मुख्य

आरक्षक कुमारु राम, रमेश दुबे, अशोक सोनी नगर सैनिक गणेश पांडे, रणविजय सिंह एवं महिला सैनिक राजकुमारी सिंह, अंजू एक्का सक्रिय रहे।

रसल को पकड़वाने वाले को मिलेगा उचित ईनाम

सहायक जिला आबकारी अधिकारी रंजीत गुप्ता ने बताया कि दिलीप नामदेव को रसल नामक व्यक्ति नशीला इंजेक्शन सप्लाई किया था। उक्त व्यक्ति अंबिकापुर का सबसे बड़ा नशीला इंजेक्शन सप्लायर है, जो लोगों को इंजेक्शन सप्लाई कर रहा है। उड़नदस्ता टीम के द्वारा की गई कार्रवाई के कई मामलों में रसल सह आरोपी है, जिसकी पतासाजी की जा रही है। उन्होंने कहा है कि इंजेक्शन सप्लायर रसल को पकड़वाने वाले को उचित ईनाम दिया जाएगा।

विभिन्न नदी-नालों पर उच्च स्तरीय पुल निर्माण कार्य प्रगति पर

★ पुल निर्माण से सुदृढ़ होगी आवागमन सुविधा
★ संपर्क सड़कों से जुड़ेगें सीधे ग्रामीण अंचल

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। लोक निर्माण विभाग (सेतू संभाग) अंबिकापुर के अंतर्गत जिला बलरामपुर-रामानुजगंज में विभिन्न नदी-नालों पर उच्चस्तरीय पुल निर्माण के लिए शासन द्वारा प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। इसके अंतर्गत कई महत्वपूर्ण पुलों तथा उनसे जुड़े पहुँच मार्गों का निर्माण कार्य प्रगति पर है। लोक निर्माण विभाग सेतू निर्माण कार्यपालन अभियंता ने जानकारी दी कि रामचन्द्रपुर-धौली-बालचौरा (अनिरुद्धपुर-गायघाट) मार्ग में स्थित कन्हर नदी पर उच्चस्तरीय पुल का निर्माण प्रगति पर है। पुल की कुल लंबाई 312 मीटर है। इस पुल के पूर्ण हो जाने से क्षेत्र के 9 ग्राम सीधे तौर पर लाभान्वित होंगे, जिनकी जनसंख्या लगभग 20,130 है। जिन्हें आवागमन की सुगम सुविधा प्राप्त होगी। पुल निर्माण कार्य के साथ-साथ पहुँच मार्ग का निर्माण भी समानांतर रूप से किया जा रहा है। यह पुल सीमावर्ती क्षेत्र में स्थित होने से छत्तीसगढ़ और

झारखंड राज्य के बीच की दूरी में कमी आएगी। पुल के तैयार हो जाने से ग्रामीणों को वर्षभर निर्बाध आवागमन की सुविधा भी उपलब्ध होगी। साथ ही आर्थिक, व्यापारिक संपर्क मजबूत होंगे। ग्राम पचावल से त्रिशुली मार्ग पर स्थित पांगन नदी पर पूर्व में निर्मित पुलिया टूट जाने से क्षेत्र के ग्रामीणों को आवागमन में भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा था। शासन द्वारा इस समस्या के स्थायी समाधान हेतु पुल निर्माण कार्य के लिए प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पांगन नदी पर 168.00 मीटर लंबाई का उच्चस्तरीय पुल निर्माण कार्य अब पूर्ण कर लिया गया है। वर्तमान में पुल के दोनों ओर पहुँच मार्ग का कार्य प्रगति पर है। पुल के निर्माण से आसपास के 9 ग्राम की लगभग 20,563 की जनसंख्या को आवागमन, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं एवं कृषि उत्पादों के परिवहन में अब सुगमता प्राप्त होगी। इसी प्रकार डिण्डो से चेरा मार्ग पर चोलिहा नाला पर पुलिया निर्माण कार्य जिसकी लंबाई 75 मीटर है। जिसका कार्य पूर्ण कर लिया गया है, वर्तमान में पहुंच मार्ग का कार्य प्रगति पर है, जिसके पूर्ण हो जाने पर क्षेत्र के गांवों के बीच सुगम परिवहन की सुविधा उपलब्ध होगी। इस पुल से 8 ग्रामों की कुल 16,303 की जनसंख्या को सीधा लाभ मिलेगा।

कार्यपालन अभियंता ने बताया कि शासन द्वारा आवागमन सुविधाओं के विस्तार और ग्रामीण क्षेत्रों में कनेक्टिविटी को सुदृढ़ करने हेतु लोक निर्माण विभाग द्वारा सतत प्रयास किए जा रहे हैं। जिसके तहत् स्वीकृत कार्य प्रगतिरत है।

डेडरी पुल के समीप अनियंत्रित होकर कोयला लोड ट्रेलर पलटा

<u>प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन</u>

बिश्रामपुर। ग्राम पंचायत कुरुवां में डेडरी पुल के पास आज कोयला लोड ट्रेलर अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खेत में पलट गया है। साथ ही एक और कोयला लोड ट्रेलर गायत्री खदान के समीप भी पलट गया है। दोनों दुर्घटना में किसी तरह की कोई जनहानि की खबर नहीं है। गौरतलब है कि सोमवार की दोपहर ट्रेलर वाहन क्रमांक सीजी 10 डीएन 5609 का चालक कोयला लोडकर बिश्रामपुर की ओर आ रहा था। तभी बिश्रामपुर-मानी मुख्य मार्ग पर डेडरी पुल के समीप ट्रेलर चालक वाहन से अपना नियंत्रण खो बैठा और वाहन अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खेत में पलट गया। दुर्घटना उपरांत चालक मौके से फरार हो गया है। ग्रामीणों ने बताया कि इसी तरह एक और कोयला लोड ट्रेलर वाहन गायत्री खदान के समीप अनियंत्रित होकर पलट गया है। लोगों का कहना है यहां पर कोयला परिवहन की प्रतिस्पर्धा होने की वजह से इस तरह की घटनाएं आए दिन घटित हो रही हैं, जिससे कभी बड़ा हादसा होने की संभावना बनी रहती है।

अधिकारियों की अनदेखी से दुखी ग्रामीणों ने खुद बनाया रपटा पुल

<u>प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन</u>

बिश्रामपुर। ग्राम पंचायत कैलाशपुर व राजापुर के मध्य स्थित बेलसोता नाला पर बने करीब 22 वर्ष पुराने पुल के पिछले दिनों दरारें पड़ने व पाया के क्रैक होने मामले में आज तक कोई उचित पहल नहीं होने से क्षुब्ध ग्रामीणों ने खुद पंचायत स्तर पर वैकल्पिक मार्ग हेतु रपटा पुल का निर्माण कर आवागमन बहाल कर लिया है। वैकल्पिक मार्ग के मरम्मत कराए जाने का आश्वासन सांसद चिंतामणि महराज व विभागीय अधिकारी द्वारा दिए जाने के बाद भी आज तक पहल नहीं होने से लोगों में नाराजगी व्याप्त है। गौरतलब है कि ग्राम पंचायत कैलाशपुर व राजापुर के मध्य स्थित बेलसोता नाला पर बने पुल में पिछले दिनों भारी बारिश की वजह से 23 जुलाई को पुल में गहरी दरारें उभर आई थी। साथ ही पुल के दो पाया में क्रैक आने से दब गया था। ग्रामीणों ने बताया कि उक्त पुल से अधिकारियों द्वारा आवागमन बंद कराए जाने उपरांत वैकल्पिक मार्ग हेतु ग्राम पंचायत कंदरई के बासेनपारा मार्ग से आवागमन व्यवस्था बहाल रखने की बात कही गई थी, लेकिन उक्त वैकल्पिक मार्ग की स्थिति भी काफी दयनीय हो चुकी है। इसी दौरान करीब दो महीने पूर्व सरगुजा सांसद चिंतामणि महराज ने भी प्रभावित ग्राम पंचायत राजापुर का दौरा कर लोगों की समस्या से रूबरू हुए थे। सांसद द्वारा लोगों को आश्वस्त किया गया था कि जल्द ही वैकल्पिक मार्ग की व्यवस्था सुदृढ़ कराकर लोगों को राहत दिलाई जाएगी, लेकिन उक्त आश्वासन भी कोरा साबित होने पर कुछ दिनों पूर्व ही पंचायत स्तर पर प्रभावित ग्रामीणों ने बैठक करके आवागमन व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाए जाने की बात कह ग्राम पंचायत राजापुर के गेल्हारीपारा शिव मंदिर मार्ग से होते हुए नीचे से रपटा पुल बनाकर कैलाशपुर गांव को जोड़ दिया है। जिससे अब प्रभावित दर्जन भर गांवों के लोगों को बड़ी राहत मिली है। ग्रामीणों का कहना है कि यहां पर उक्त बदहाल बेलसोता नाला पुल पर आवागमन बंद रखने हेतु सुरक्षा के दृष्टिकोण से जेसीबी से खुदाई करा दी गई थी, बावजूद इसके लोग अपनी जान को जोखिम में डालकर बाइक व सायकल के साथ साथ पैदल आवागमन करने विवश थे। ग्रामीणों का आरोप है कि आमजन की उक्त गंभीर समस्या की ओर शासन प्रशासन द्वारा कोई ध्यान नहीं दिए जाने से लंबे समय तक आमजन को आवागमन हेतु दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। लोगों का कहना है कि बेलसोता नाला पुल राजापुर समेत आसपास के दर्जनों गांवों को सुरजपुर जिला मुख्यालय से जोड़ने वाला जीवनरेखा है।

निधन सुनीता देवी

<u>प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन</u>

बिश्रामपुर। ग्राम कुंजनगर रेलवे स्टेशन चौक बिश्रामपुर निवासी सुनीता देवी का आज निधन हो गया। वे 55 वर्ष की थीं। वे पिछले कुछ समय से अस्वस्थ्य चल रही थीं। सोमवार को स्थानीय मुक्तिधाम में उनका अंतिम संस्कार किया गया। वे स्व. कृष्ण मुरारी गुप्ता पप्पू की पत्नी विशाल गुप्ता अभिषेक गुप्ता की मां थीं।

प्रेम प्रसंग के चक्कर में युवक ने फांसी लगाकर दी अपनी जान

<u>प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन</u>

बिश्रामपुर। ग्राम पंचायत तेलईकछार केनापारा के एक युवक ने प्रेम प्रसंग के चक्कर में आज दोपहर फांसी लगाकर अपनी जान दे दी है।

जयनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत तेलईकछार केनापारा निवासी 26 वर्षीय अमित गुप्ता उर्फ गुलशन पिता स्व. रामदास गुप्ता ने सोमवार की दोपहर शशिपुर में स्थित एक राइस मिल के समीप पेड़ में फांसी लगाकर अपनी जान दे दी है। बताया जा रहा है कि युवक ने प्रेम प्रसंग की वजह से ही फांसी लगाकर अपनी जान दी है।

सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंच शव पंचनामा उपरांत मामले में मर्ग कायम कर विवेचना शुरू कर दी है।

विशेष गहन पुनरीक्षण अंतर्गत बीएलओ को दिया गया प्रशिक्षण

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर-2026) के अंतर्गत तहसील कार्यालय बलरामपुर में बीएलओ का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान बूथ लेवल अधिकारियों को एसआईआर की निर्वाचक गणना पत्रक का वितरण किया गया तथा प्रत्येक

बीएलओ को गणना पत्रक निर्धारित समय-सीमा के भीतर जमा करने के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई साथ ही निर्वाचन कार्य से संबंधित दिशा-निर्देश, फॉर्म 6,7,8 भरने की प्रक्रिया तथा मतदाता सूची के शुद्धिकरण एवं अद्यतन के संबंध में चर्चा की गई। प्रशिक्षण में तहसीलदार श्री सुनील कुमार गुप्ता सहित निर्वाचन कार्य में संलग्न अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

शासकीय महाविद्यालय सिलफिली में लर्निंग लाइसेंस लगा शिविर

<u>प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन</u>

बिश्रामपुर। शासकीय महाविद्यालय सिलफिली में एनएसएस यूनिट द्वारा छत्तीसगढ़ रजत जयंती के अवसर पर सड़क सुरक्षा एवं जागरूकता कार्यक्रम के तहत जिला परिवहन विभाग सूरजपुर के सहयोग से महाविद्यालय में लर्निंग लाइसेंस शिविर का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम जिला परिवहन विभाग सूरजपुर के सहयोग से संपन्न हुआ। कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य अमित सिंह बनाफर की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का संचालन एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती शालिनी शांता कुजूर ने किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं वक्ता योगेश कुमार भंडारी जिला परिवहन अधिकारी सूरजपुर रहे। भंडारी ने सड़क सुरक्षा, यातायात के नियम के बारे में

विस्तार पूर्वक जानकारी दी। साथ ही विद्यार्थियों के द्वारा पूछे गए प्रश्नों का उत्तर देते हुए लर्निंग लाइसेंस बनवाने हेतु प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं का लर्निंग लाइसेंस बनाया गया। आवेदन भरने पश्चात इनका ऑनलाइन टेस्ट लिया गया। कार्यक्रम में आनंद तिवारी सुपरवाइजर आरटीओ ऑफिस सूरजपुर भी सक्रिय रहे। कार्यक्रम में शासकीय महाविद्यालय के छात्रों के अलावा पार्वती महाविद्यालय एवं उद्यानिकी महाविद्यालय के छात्र-छात्राएं भी उपस्थित रहे।

शासकीय उचित मूल्य दुकान ग्राम पंचायत रामनगरकला के संचालन हेतु आवेदन आमंत्रित

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, बलरामपुर ने जानकारी दी है कि विकासखण्ड बलरामपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत रामनगरकला के शासकीय उचित मूल्य दुकान का आबंटन विभिन्न कारणों से निरस्त किया गया है। अब शासकीय उचित मूल्य दुकान ग्राम पंचायत रामनगरकला का संचालन नवीन संचालन एजेंसी को प्रदान किया जाना है। इसके लिए इच्छुक संस्था/स्व सहायता समूह संचालन करना चाहते हैं वे कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) बलरामपुर में निर्धारित प्रारूप में 24 नवम्बर 2025 कार्यालयीन समय तक आवेदन जमा कर सकते हैं। समय-सीमा के पश्चात प्राप्त आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा।

कड़ाके की ठंड में बेजुबानों के मसीहा बने बिश्रामपुर के युवा

<u>प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन</u>

बिश्रामपुर। ठंड अब अपने चरम सीमा दिखाने लगी है। बेजुबान जानवर इस ठिठुरन में जान गंवाने विवश हो रहे हैं। लेकिन जब पूरी बस्ती सर्दी से बचने के लिए घरों में सिमटी हुई है, तब बिश्रामपुर की सड़कों पर एक अलग नजारा देखने को मिल रहा है। श्री श्याम गौ सेवा समिति और बालगोपाल गौ रक्षा समिति बिश्रामपुर के सदस्य पूरी रात घूमकर बेजुबानों की मदद कर रहे हैं। रात की ठंड में जब सड़क किनारे कांपती, कराहती और बेदम पड़ी गौमाताएं दिखाई देती हैं, तो ये युवा उन्हें उठाकर अपने वाहनों में बिठाते हैं, कंबल में लपेटते हैं और सीधा गौशाला लेकर पहुंचते हैं। वहां पशु चिकित्सक को बुलाकर

उनका इलाज कराया जा रहा है। कई मवेशियों की हालत इतनी खराब थी कि सांसें थमने लगी थीं, लेकिन इन युवाओं की तत्परता ने कई जिंदगियों को नई सुबह दे दी।इस मिशन में आदित्य शर्मा, अक्षत पाठक, रंजीत दुबे, आनंद ठाकुर, मयंक साहू, महावीर गिरी और प्रिंस जायसवाल जैसे युवा दिन-रात जुटे हैं। आदित्य शर्मा ने बताया कि हमारे लिए यह सेवा नहीं, आस्था है। जब एक बेजुबान जानवर हमारी वजह से जिंदा रहता है, तो लगता है मानो ईश्वर ने हमें एक नई जिंदगी दी हो।टीम के साथियों ने ठंड से बेहाल कई गौमाताओं को गौशाला पहुंचाया, जहां उनके लिए गर्म बिछौने, गुनगुना पानी और पौष्टिक चारे की विशेष व्यवस्था की गई है। लगातार पशु चिकित्सक की निगरानी में उनका उपचार जारी है। इस पहल से प्रभावित होकर अब स्थानीय नागरिक भी जुड़ने लगे हैं। कोई कंबल दान कर रहा है, कोई पशुओं के लिए गुड़ और चारा दे रहा है। स्थानीय लोगों ने भी इन युवाओं की सराहना करते हुए कहा कि ऐसी पहल समाज को नई दिशा देती हैं। इन युवाओं ने दिखा दिया कि सेवा सिर्फ मंदिरों में नहीं, सड़कों पर भी होती है जहां कोई नहीं जाता, वहीं से असली पूजा शुरू होती है। जैसे-जैसे ठंड की रातें गहराती जा रही हैं, वैसे-वैसे इन युवाओं की मुहिम और तेज होती जा रही है। बिश्रामपुर की गलियों में अब सिर्फ ठंडी हवा नहीं बल्कि करुणा और मानवता की गर्माहट बह रही है।

साईं धाम में गूंजे भक्ति के स्वर, 24 घंटे निरंतर भजनों से महका वातावरण

<u>प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन</u>

बिश्रामपुर। श्री सत्य साईं सेवा समिति बिश्रामपुर द्वारा स्थानीय साईं धाम में विश्व अखंड भजन का आयोजन श्रद्धा, भक्ति और अनुशासन के साथ संपन्न हुआ। यह आयोजन मानवता के कल्याण,

विश्व शांति, प्रेम, भक्ति और आध्यात्मिक ऊर्जा के संचार के लिए समर्पित था। दो दिनों तक साईं धाम का वातावरण साईं राम भक्ति रस से भर गया। 8 नवंबर सायं 5.30 बजे वैदिक मंत्रोच्चारण एवं वेद पाठ के साथ अखंड भजन की शुरुआत हुई। लगातार 24 घंटे तक बिना रुके साईं भजनों का गायन चलता रहा और 9 नवंबर की शाम 6 बजे महामंगल आरती के साथ समापन हुआ। इसके पश्चात सभी श्रद्धालुओं को भोग-प्रसाद वितरण किया गया। इस अखंड भजन में बिश्रामपुर समिति सहित मनेन्द्रगढ़, बैकुंठपुर, अंबिकापुर, सूरजपुर, जरही, कुम्दा, रेलवे स्टेशन कुंजनगर, सतपता और सपकरा की भजन मंडलियां शामिल हुईं। सभी मंडलियों ने साईं भजनों की मधुर लहरियों से वातावरण को आध्यात्मिक आनंद से भर दिया। पूरे परिसर को दीपों, साईं बाबा के चित्रों, पुष्पमालाओं और रंगीन झालरों से सजाया गया था। श्रद्धालुओं ने दीप प्रज्वलित कर अपने जीवन में प्रकाश, प्रेम और करुणा के मार्ग को अपनाने का संकल्प लिया। भजन के दौरान प्रेम ही साईं का स्वरूप हैं, सेवा ही सच्ची भक्ति है जैसे संदेशों को भावनात्मक ढंग से प्रस्तुत किया गया।

समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं बल्कि मानवता में एकता और विश्व बंधुत्व की भावना को प्रबल करना है। उन्होंने कहा कि जब समाज एक स्वर में भक्ति गाता है, तो वह केवल ईश्वर को नहीं, बल्कि मानवता को भी जोड़ता है। आयोजन को सफल बनाने में सभी साईं भक्त सक्रिय रहे।

त्रिपुरा बटालियन के नायब सूबेदार को दी गई विदाई

<u>प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन</u>

बिश्रामपुर। एसईसीएल बिश्रामपुर क्षेत्र में पदस्थ त्रिपुरा स्टेट राइफल के नायब सूबेदार जीवन सरकार का तबादला अगरतला होने के बाद आज

उनके सम्मान में क्षेत्रीय सुरक्षा अधिकारी अमरेंद्र नारायण, दिनेश पांडेय की अगुआई में यूनिट के सदस्यों ने नायब सूबेदार को उनके सम्मान में भावभीनी विदाई दी। बताया जा रहा है कि त्रिपुरा स्टेट राइफल के नायब सूबेदार जीवन सरकार जो बिश्रामपुर में दो वर्षों से पोस्ट कमांडर के पद पर तैनात थे। उनकी सेवानिवृत्ति की तिथि 31 दिसंबर है। रिटायरमेंट से पहले राज्य शासन ने उन्हें त्रिपुरा स्टेट राइफल के मुख्यालय अगरतला में पदस्थ किया है।तबादले के बाद उन्हें आज यहां से रवानगी देने से पूर्व उनके सम्मान मे आरटीआई कैंप में विदाई कार्यक्रम आयोजित कर विदाई दी गई। बता दें कि एसईसीएल ने करीब पांच वर्ष खदानों से कोयला, कबाड़, डीजल चोरी की बढ़ी घटनाओं के बाद त्रिपुरा सरकार से जवानों को खदान में सुरक्षा कार्य कराने अनुबंध किया था। वर्तमान में बिश्रामपुर क्षेत्र में करीब साठ जवान त्रिपुरा स्टेट राइफल सहित सीआईएसएफ के दो दर्जन से अधिक जवान यहां तैनात हैं।

वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ पर आंगनबाड़ी केंद्रों में सजा रंगों का उत्सव

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में महिला एवं बाल विकास परियोजना, रामचंद्रपुर अंतर्गत सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में विविध गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर रंगोली एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, कार्यक्रम में बच्चों ने अपने हाथों से आकर्षक चित्र, रंगोली बनाकर सभी का मन मोह लिया। वहीं महिलाओं और किशोरी बालिकाओं ने रंग-बिरंगी प्राकृतिक रंगोली सजाई। इन रंगोलियों में विशेष रूप से फूलों और पत्तियों का प्रयोग किया गया। जिसमें आंगनबाड़ी के नन्हे-मुन्ने बच्चे, महिलाएं, किशोरी बालिकाएं तथा अन्य ग्रामीण महिलाएं उत्साहपूर्वक शामिल हुई। गौरतलब है कि वंदे मातरम के 150वीं वर्षगांठ के अवसर पर

चार चरणों में ग्राम पंचायत, जनपद, जिला एवं राज्य स्तरीय कार्यक्रमों का आयोजन किया जाना है। जिसके अंतर्गत प्रथम चरण में 07 से 14 नवम्बर 2025, द्वितीय चरण 19 से 26 जनवरी 2026, तृतीय चरण 07 से 15 अगस्त 2026, चतुर्थ चरण 01 से 07 नवम्बर 2026 को आयोजित होंगे।

बिहान की दीदियों के हुनर ने जीता लोगों का दिल, बिक्री ने बढ़ाया आत्मविश्वास

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर ।जशपुर जिले के मायाली पर्यटन स्थल में 06 से 09 नवम्बर 2025 तक आयोजित जम्बूरी महोत्सव एवं बिहान क्षेत्रीय सरस मेले में कोरिया जिले के 'कोरिया अमृत' ब्रांड ने अपनी विशिष्ट पहचान दर्ज कराई। मेले में कोरिया जिले की महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा तैयार किए गए पारंपरिक और पौष्टिक उत्पादों ने खरीदारों का ध्यान आकर्षित करते हुए बिक्री में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की। मेले में कोरिया अमृत मोदक लड्डू, कोरिया अमृत अचार एवं सुगंधित चावल सहित विभिन्न उत्पादों की मांग विशेष रूप से बढ़ी। स्वाद, गुणवत्ता और घर की पारंपरिक विधि से निर्मित होने के

कारण खरीदारों ने इन उत्पादों की जमकर प्रशंसा की ।ग्राम पंचायत आनी के ज्योति एवं माँ शारदा महिला स्व-सहायता समूह ने कोरिया अमृत मोदक लड्डू बेचकर 45,000 रुपए का व्यवसाय किया। ग्राम पंचायत छिंदिया के जागृति महिला स्व-सहायता समूह ने कोरिया अमृत अचार की बिक्री द्वारा 24,000 रुपए से अधिक की आय अर्जित की। महिला युग एफ.पी.सी. द्वारा सुगंधित चावल की बिक्री से 12,000 रुपए का कारोबार हुआ। इस प्रकार 80 हजार रूपए से अधिक की बिक्री दर्ज की गई, जो कोरिया जिले इन महिलाओं को आत्मविश्वास को और मजबूत किया है। मेले में कमिश्नर सरगुजा, कलेक्टर जशपुर सहित अन्य अधिकारियों ने कोरिया अमृत स्टॉल का निरीक्षण करते हुए उत्पादों की गुणवत्ता की सराहना की तथा स्वयं खरीदारी भी की। इससे समूहों का उत्साह और भी बढ़ा ।कोरिया कलेक्टर चंदन त्रिपाठी एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में कोरिया जिले के महिला स्व-सहायता समूहों को विपणन, पैकेजिंग और ब्रांडिंग से जोड़कर नए बाजार उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

नक्सली हिड़मा और देवा की माताओं से मिलकर डिप्टी सीएम शर्मा ने की पुनर्वास की अपील

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर । डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने सोमवार को सुकमा जिले के कोंटा विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत चिमलीपेंटा के आश्रित ग्राम पुवर्ती पहुंचे ।इसी गाँव से छत्तीसगढ़ के दो सबसे बड़े नक्सली लीडर माड़वी हिड़मा और बारसे देवा निकले हैं जहाँ आज भी उनके परिजन निवास करते हैं। विजय शर्मा ने हिड़मा की माता श्रीमती माड़वी पुंजी तथा बारसे देवा की माता श्रीमती बारसे सिंगे से मुकाकात की और पुनः सरकार की तरफ से कहा की पुनर्वास करने पर सरकार उनका पूरा ध्यान रखेगी। नक्सल लीडर की माताओं ने भी वीडियो जारी कर अपने बेटों को पुनर्वास करने कहा है। टीम में

उपमुख्यमंत्री और गृहमंत्री विजय शर्मा, बस्तर कमिश्नर डोमन सिंह, बस्तर आईजी सुंदरराज , कलेक्टर सूकमा देवेश ध्रुव, पुलिस अधीक्षक सूकमा किरण चौहान तथा पुवर्ती के ग्रामवासी उपस्थित थे

उपमुख्यमंत्री शर्मा के प्रयासों से अमरौड़ी को मिली 41.65 लाख रूपयों की सौगात

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर ।उपमुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा के सतत प्रयासों से आज भोरमदेव क्षेत्र के ग्राम पंचायत भरहठी के आश्रित ग्राम अमरौड़ी को मुख्यमंत्री गौरव पथ योजना के अंतर्गत 41.65 लाख रूपयों के विकास कार्यों की सौगात प्राप्त हुई है।इस अवसर पर जिला पंचायत ईश्वरी साहू, उपाध्यक्ष कैलाश चंद्रवंशी सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने ग्रामीणों के संग गांव में विधिवत पूजन-अर्चन एवं भूमिपूजन का कार्य किया। इस अवसर पर जिलापंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू ने कहा कि मुख्यमंत्री गौरव पथ योजना का उद्देश्य गांवों में आधुनिक एवं सुदृढ़ सड़क सुविधाएँ उपलब्ध कराना है, जिससे ग्रामीण अंचलों का सर्वांगीण विकास हो सके। उन्होंने कहा कि उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा के मार्गदर्शन में कवर्धा विधानसभा में विकास कार्यों की गति तेजी से बढ़ी है और जनहित की योजनाएँ धरातल पर उतर रही हैं।उन्होंने बताया कि भोरमदेव क्षेत्र ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक दृष्टि से समृद्ध है और राज्य सरकार का लक्ष्य है कि यहां का प्रत्येक ग्राम विकास की मुख्यधारा से जुड़ सके। गौरव पथ निर्माण से ग्रामीणों को आवागमन की बेहतर सुविधा मिलेगी और आर्थिक-सामाजिक गतिविधियों को भी बल मिलेगा। उपाध्यक्ष श्री कैलाश चंद्रवंशी ने कहा कि उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा के नेतृत्व में कवर्धा जिले में हर क्षेत्र में विकास की नई इबारत लिखी जा रही है।सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि एवं सिंचाई के क्षेत्र में निरंतर कार्य हो रहे हैं जिससे ग्रामीणों का जीवन स्तर ऊँचा उठ रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री गौरव पथ योजना से ग्रामीण अंचलों का कायाकल्प हो रहा है। उन्होंने कहा कि इस योजना के माध्यम से ग्राम अमरौड़ी सहित आसपास के गांवों को अब पक्की सड़क सुविधा उपलब्ध होगी, जिससे गांव का संपर्क मार्ग बेहतर होगा। इस दौरान नीतेश अग्रवाल, रामकिंकर वर्मा, उपाध्यक्ष नंद श्रीवास, लोकचंद साहू, मिलुराम राजेश साहू, चेतन विश्वकर्मा, अजय कौशिक, रम्भहन साहू,राजा कुंभकार खेला कुंभकार, सरपंच ग्राम पंचायत भरहठीआजूराम, उपसरपंच सत्तेलाल पटेल, कुपलाल साहू, वंता साहू एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

11 नवंबर को अहमदाबाद में होगा इन्वेस्टर कनेक्ट कार्यक्रम

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर ।उद्योग एवं वाणिज्य विभाग, छत्तीसगढ़ द्वारा 11 नवंबर को अहमदाबाद में इन्वेस्टर कनेक्ट कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इस आयोजन का उद्देश्य गुजरात के उद्योग जगत के साथ औद्योगिक साझेदारी को मजबूत करना और दोनों राज्यों के बीच निवेश व व्यापारिक अवसरों का विस्तार करना है। यह आयोजन छत्तीसगढ़ के बढ़ते औद्योगिक इकोसिस्टम, प्रगतिशील औद्योगिक नीतियों और निवेश-अनुकूल प्रशासनिक ढांचे को प्रदर्शित करेगा। राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी इस मौके पर विभिन्न सेक्टरों में निवेश की संभावनाओं, निवेशकों के लिए प्रोत्साहन योजनाओं, लॉजिस्टिक्स और इंफ्रास्ट्रक्चर की विशेषताओं पर प्रस्तुति देंगे। इस पहल के जरिए उद्योग स्थापित करना और संचालित करना पहले से अधिक सरल, तेज और लाभदायक बनाया जा रहा है। कार्यक्रम की मुख्य विशेषता निवेशकों और राज्य सरकार के वरिष्ठ प्रतिनिधियों के बीच वन-ऑन-वन बिजनेस मीटिंग्स रहेंगी। इन चचाओं का फोकस टेक्सटाइल, फार्मास्यूटिकल्स, फूड प्रोसेसिंग और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे प्रमुख क्षेत्रों में साझेदारी बढ़ाने पर रहेगा - जहाँ छत्तीसगढ़ ने नवाचार और प्रोत्साहनों से प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त हासिल की है ।राज्य सरकार इस अवसर पर प्रमुख निवेशकों को इनविटेशन टू इन्वेस्ट लेटरह्न भी प्रदान करेगी, जिससे परियोजना स्वीकृति और औद्योगिक सहयोग की प्रक्रियाओं को त्वरित और सुगम बनाया जा सके। उल्लेखनीय है कि इससे पहले छत्तीसगढ़ इन्वेस्टर कनेक्ट के सफल आयोजन दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, बस्तर और रायपुर में हो चुके हैं।इन कार्यक्रमों के माध्यम से सिर्फ दस महीनों में 7.5 लाख करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, जो राज्य की तेज, स्थिर और निवेशक-केंद्रित शासन प्रणाली पर बढ़ते विश्वास का प्रमाण है ।नवाचार, स्थायित्व और इज ऑफ डूइंग बिजनेस पर फोकस के साथ छत्तीसगढ़ आज भारत के हृदयस्थल में एक उभरता हुआ औद्योगिक केंद्र बन गया है।

पीएम श्री मॉडल स्कूल नगपुरा ने बनाई अपनी विशिष्ट पहचान

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर ।जब हमारे विद्यालय का चयन प्रधानमंत्री स्कूल फॉर राइजिंग इंडिया योजना के अंतर्गत हुआ। जो प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की दूरदर्शी पहल है।तब यह हमारे लिए विकास, नवाचार और सर्वांगीण परिवर्तन के एक नए युग की शुरूआत थी। यह कहानी दुर्ग जिले में स्थित नगपुरा स्कूल की है मोदी जी के इस प्रेरक विजन ने हमें ऐसा वातावरण बनाने के लिए प्रेरित किया जहाँ अनुभवात्मक अधिगम, सतत विकास और उत्कृष्टता को समान महत्व दिया जाता है। विद्यालय के प्राचार्य श्री बसंत कुमार यादव ने बताया कि आधुनिक स्मार्ट क्लासरूम, सुसज्जित विज्ञान एवं कंप्यूटर प्रयोगशालाएँ और रचनात्मक शिक्षण कोने ने शिक्षण को अधिक रोचक और विद्यार्थी-

केंद्रित बना दिया है। विद्यालय परिसर अब पूर्णतः पर्यावरण-मित्र बन चुका है। कचरा पृथक्करण, वर्षा जल संचयन, सौर ऊर्जा संयंत्र और वृक्षारोपण जैसे कार्यों से हरियाली और स्वच्छता को बढ़ावा मिला है। हरित पहल के अंतर्गत विद्यार्थी सक्रिय रूप से वृक्षारोपण, कचरा प्रबंधन, एवं स्वच्छता अभियानों में भाग लेते हैं, जिससे पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित हो रही है। विद्यालय ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप गतिविधि-आधारित, जिज्ञासा-आधारित एवं अनुभवात्मक शिक्षण पद्धतियाँ अपनाई हैं । यह वही दिशा है जिसे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने नये भारत की शिक्षा के रूप में देखा है। शिक्षकों ने प्रशिक्षण एवं माध्यम से नवीन शिक्षण तकनीकें सीखी हैं। डिजिटल उपकरणों, कला-समेकित शिक्षण और परियोजना-आधारित अधिगम ने विद्यार्थियों की सृजनशीलता और समस्या समाधान क्षमता को बढ़ाया है। विद्यालय में शिक्षण पद्धति में सकारात्मक बदलाव आया है, जिससे कक्षा-कक्ष अधिक आनंदमय और सहभागितापूर्ण बने हैं। खेल, योग, कला, संगीत और जीवन-कौशल कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों का शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक विकास किया जा रहा है। शैक्षणिक भ्रमण एवं शैक्षिक यात्राएँ विद्यार्थियों को वास्तविक जीवन से जोड़ती हैं और आत्मविश्वास बढ़ाती हैं। समुदाय एवं अभिभावक सहभागिता विद्यालय और समुदाय के बीच अब एक सशक्त संबंध स्थापित हुआ है। शाला विकास समिति SMC और स्थानीय ग्रामीण अब विद्यालय की योजनाओं एवं गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं। अभिभावक-शिक्षक बैठकें, जागरूकता रैलियाँ और स्वच्छता अभियान ने विद्यालय को एक सामुदायिक विकास केंद्र बना दिया है।

मुख्यमंत्री ने किया शंकर पांडे की पुस्तक 'छत्तीसगढ़ अतीत से अब तक' का विमोचन

रायपुर ।मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राजधानी रायपुर स्थित अपने निवास कार्यालय में वरिष्ठ पत्रकार शंकर पांडे की पुस्तक छत्तीसगढ़ अतीत से अब तक का विमोचन किया। मुख्यमंत्री ने इस पुस्तक में छत्तीसगढ़ के अतीत को समेटने के प्रयास की सराहना करते हुए उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दीं ।मुख्यमंत्री श्री साय को श्री पांडे ने बताया कि छत्तीसगढ़ पर केंद्रित यह उनकी 6वीं पुस्तक है जिसमें छत्तीसगढ़ के महापुरुषों, पर्यटन स्थल, प्राचीन इतिहास, राज-परिवार, मंदिरों के इतिहास से सम्बंधित जानकारियां संकलित की गयी हैं। उन्होंने बताया कि पुस्तक में छत्तीसगढ़ के कई अनछुए पहलुओं सहित राज्य के सभी मुख्यमंत्री, राज्यपाल, प्रमुख राजनीतिक घटनाओं, राजनेताओं व साहित्यकारों का भी उल्लेख है।

दो पक्षों में मारपीट, दोनों तरफ से मुकदमा दर्ज

संवाददाता

लखनऊ। माल थाना क्षेत्र के एक गांव में मारपीट को लेकर दो पक्ष आमने-सामने आ गए। घटना के बाद दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के खिलाफ तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कराया है।

माल थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी सत्येंद्र कुमार ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि गांव के ही सरवन कुमार मौर्या पिछले कुछ दिनों से उसकी बहन के संबंध में झूठी अफवाहें फैला रहा था। रविवार सुबह जब सत्येंद्र गांव के आंगनबाड़ी केंद्र के पास खड़ा था, तभी सरवन मोटरसाइकिल से वहां पहुंचा और विवाद करने लगा। विरोध करने पर सरवन ने कथित रूप से जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए जान से मारने की धमकी दी और पास में पड़ा डंडा उठाकर सत्येंद्र के सिर पर वार कर दिया, जिससे उसे चोटें आईं।

घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को प्राथमिक उपचार के लिए भेजा। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी सरवन कुमार के खिलाफ एससी/एसटी एक्ट सहित सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। वहीं, विपक्षी सरवन कुमार ने भी पुलिस को तहरीर देकर आरोप लगाया कि सत्येंद्र कुमार और हरदोई जनपद के अतरौली थाना क्षेत्र के महसूआ गांव निवासी अजय ने उसकी बहन के साथ अश्लील हरकतें व अभद्र टिप्पणी की और लाठी-डंडों से हमला कर दिया। इस संबंध में इंस्पेक्टर नवाब अहमद ने बताया कि दोनों पक्षों की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

राजा ध्रुव की तपस्या से प्रेरित हुई श्रद्धा, तिलन में श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन जारी

संवाददाता

लखनऊ। रहीमाबाद क्षेत्र के ग्राम तिलन में चल रही श्रीमद् भागवत कथा में इन दिनों भक्ति और अध्यात्म का अद्भुत संगम देखने को मिल रहा है। अयोध्या धाम से पधारे आचार्य प्रेम जी महाराज के श्रीमुख से अमृतमय कथा श्रवण कर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। कथा के तीसरे दिन आचार्य प्रेम जी महाराज ने राजा ध्रुव के जीवन प्रसंग का भावपूर्ण वर्णन किया। उन्होंने ध्रुव की तपस्या, अटूट भक्ति और भगवान विष्णु के प्रति समर्पण को जीवन का आदर्श बताया। महाराज ने कहा कि 'ध्रुव चरित्र हमें यह प्रेरणा देता है कि दृढ़ संकल्प और भक्ति से असंभव को भी संभव बनाया जा सकता है।' कार्यक्रम में सांस्कृतिक गौरव संस्थान जिलाध्यक्ष संतोष सिंह (तिलन), अरविंद सिंह, नरेश सिंह, शैलेंद्र सिंह, रामचंद्र सिंह, आद्या

सिंह, सक्षम सिंह, श्री राम सिंह, सरवन सिंह, विनोद विश्वकर्मा, सौरभ सिंह, अभिषेक सिंह, शैलेन्द्र सिंह एवं सुंदरम पांडेय सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। पूरे क्षेत्र में कथा की मधुर गूंज से भक्ति और आनंद का वातावरण व्याप्त है। ग्रामीणों ने बताया कि कथा स्थल पर प्रतिदिन भारी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं, जिससे गांव में धार्मिक उल्लास और आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार हो रहा है।

बिजली खरीद पर नियामक आयोग ने उठाया गंभीर सवाल और प्रक्रिया की स्थगित

संवाददाता

लखनऊः उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन की नवंबर में मांगी गई तीन हजार मेगावाट बिजली खरीद की अनुमति पर राज्य विद्युत नियामक आयोग ने रोक लगा दी है। आयोग ने कारपोरेशन से पूरी योजना, औचित्य, केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण की स्वीकृति और विस्तृत कार्ययोजना मांगी है।

पिछले दो वर्षों में पावर कारपोरेशन ने करीब 21 हजार मेगावाट बिजली खरीद के लिए समझौता पत्र (पीपीए) तैयार किए हैं। इनमें कुछ पर टेंडर प्रक्रिया चल रही है और कुछ प्रस्ताव लंबित हैं। हाल ही में कारपोरेशन ने एक हजार मेगावाट मीडियम पीक समर और दो हजार मेगावाट लांग टर्म पीक समर बिजली खरीद के लिए नया समझौता पत्र पेश किया, जिस पर आयोग ने गंभीर सवाल उठाते हुए प्रक्रिया को स्थगित कर दिया।

आयोग ने पूछा है कि इतनी बड़ी मात्रा में बिजली खरीद की आवश्यकता क्या है और इसके पीछे स्पष्ट योजना क्या है। जानकारी के अनुसार, कारपोरेशन की पाइपलाइन में मौजूद बिजली खरीद प्रस्तावों में दो हजार मेगावाट सोलर, तीन हजार मेगावाट पंप स्टोरेज प्लांट, चार हजार मेगावाट हाइड्रो, चार हजार मेगावाट डीबीएफवो और 625 मेगावाट बैटरी स्टोरेज जैसी परियोजनाएं शामिल हैं।

राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश वर्मा ने कहा कि एक ओर पावर कारपोरेशन 42 जिलों के निजीकरण की तैयारी कर रहा है, वहीं दूसरी ओर बिजली खरीद रहा है, जिसका कोई औचित्य नहीं दिखता। उन्होंने कहा कि सरकार को इस पूरे मामले की उच्च स्तरीय या सीबीआई जांच करानी चाहिए। सवाल उठाया कि जो निगम पहले महंगी बिजली के पुराने करारों को लेकर शिकायत करता था, वही अब 25 वर्ष के लिए नए करारों पर इतनी तेजी से हस्ताक्षर क्यों कर रहा है। इसका जवाब जनता को दिया जाना चाहिए।

टैम्पो ट्रैवलर ने बिना इंडिकेटर मोड़ा, बाइक सवार दो युवक भिड़े - एक की मौत, दूसरा गंभीर; मृतक की पत्नी 8 माह की गर्भवती

संवाददाता

पीजीआई । पीजीआई कोतवाली क्षेत्र के तेलीबाग पुलिस चौकी अंतर्गत पार्वती शिव मंदिर के पास शनिवार और रविवार की दरमियानी रात एक भीषण सड़क हादसा हुआ। टैम्पो ट्रैवलर चालक ने बिना इंडिकेटर दिए अचानक मोड़ लिया, जिससे पीछे से आ रही तेज रफ्तार बाइक उसमें जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक चला रहे युवक की मौके पर मौत हो गई, जबकि पीछे बैठा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पाकर पहुंची पीजीआई कोतवाली पुलिस ने दोनों को एपेक्स ट्रॉमा सेंटर भेजा, जहां डॉक्टरों ने एक युवक को मृत घोषित कर दिया। घायल की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस के अनुसार

मृतक की पहचान सादिक (25 वर्ष) और घायल की पहचान शकील (35 वर्ष) के रूप में हुई है। दोनों कुम्हार मंडी, तेलीबाग के निवासी हैं। देर रात करीब 2 बजे दोनों बाइक से घर लौट रहे थे, तभी नेपालगंज कट के पास हादसा हुआ। हादसे के बाद मृतक सादिक के परिवार में कोहराम मच गया। बताया जा रहा है कि सादिक की पत्नी 8 माह की गर्भवती है। परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया है और मृतक परिवार को 25,000 की आर्थिक सहायता प्रदान की है। परिवारजनों का आरोप है कि टैम्पो ट्रैवलर चालक की लापरवाही से यह हादसा हुआ, चालक ने बिना इंडिकेटर दिए मोड़ लिया। परिजनों ने मांग की है कि ट्रैवलर चालक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मीसा मेला जुगुनू दास पर भव्य कब्बड्डी का आयोजन

संवाददाता

गोसाईगंज। में रविवार को पौराणिक स्थान मीसा मेला जुगुनू दास बड़े बाबा पर भव्य कब्बड्डी का आयोजन हुआ।इस आयोजन में अन्य प्रदेशों जैसे दिल्ली, महाराष्ट्र, और हरियाणा से टीमें भाग लेने आई है।यह आयोजन पहले छोटे स्तर पर होता था, लेकिन जितेंद्र कुमार प्रधान मीसा (प्रधान संघ अध्यक्ष)के अगुवाई में पिछले 11 वर्षों से राज्य स्तर पर हो रहा है और इस बार भी बड़े स्तर पर आयोजित किया गया था।प्रधान मीसा जितेंद्र कुमार ने बताया कि पहले कब्बड्डी छोटे स्तर पर होती थी, लेकिन अब यह बड़ा आयोजन बन गया है। उन्होंने बताया कि इस आयोजन में जीतने वाली टीम को 1 लाख 51 हजार रुपये, उपविजेता को 51 हजार रुपये और तृतीय स्थान प्राप्त करने

वाली टीम को 21 हजार रुपये की धनराशि और ट्रॉफी दी जाती है। कब्बडी फाइनल कल सोमवार को खेला जाएगा। इस आयोजन में स्थानीय लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और कब्बड्डी का आनंद लिया। इस आयोजन में कुल 18 टीमों ने नामांकन करवाया है, जिनमें दिल्ली, महाराष्ट्र, हरियाणा, बाराबंकी ल्ड्उछ लखनऊ, महमूदपुर देवरिया की टीमें शामिल हैं। इस अवसर पर विधायक अमरेश कुमार, ऋषि मिश्रा प्रदेश प्रभारी भारतीय किसान यूनियन भानु, ब्लॉक प्रमुख गोसाईगंज विनय वर्मा, नगर पंचायत अध्यक्ष गोसाईगंज निखिल मिश्रा, भाजपा नेता नागेश्वर द्विवेदी,जिला पंचायत सदस्य अमरेंद्र भारद्वाज,एडवोकेट रमेश रावत, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष अनुसूचित जाति वीरेंद्र रावत, प्रधान सर्वेश रावत, राजा रावत, राजबहादुर, सालिकराम, शंकर दीन रावत,एडवोकेट बलराम रावत, भाजपा नेता शंभूनाथ पांडेय, दिनेश साहू, पूर्व ब्लॉक प्रमुख नरेंद्र रावत, अरविंद बाथम,विजय बाथम,विद्या सागर कोटेदार,सुनील रावत,रिंकू अशोक रावत,सुरेंद्र कुमार, कन्हैया लाल अधिवक्ता,सूरज पासी लाल सिंग चौहान,अनिल मिश्रा,हरीशचंद्र शर्मा, नादिर हुसैन,नरेंद्र तिवारी,खुशीराम बाटम,अभिराज सागर,सुरजीत मौर्य, रामू मौर्य,राधा कृष्ण मौर्य,आशीष कुमार आदि उपस्थित थे।

बिहार से लाकर लखनऊ में करते थे ऑक्सीटोसिन की तस्करी, दो लोगों से एक करोड़ के इंजेक्शन बरामद

संवाददाता

लखनऊ। स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने एक ऐसे गिरोह का राजफाश किया है जो बिहार से आक्सीटोसिन की खेप लाकर उसे अलग-अलग मात्राओं के इंजेक्शन बनाकर लखनऊ समेत प्रदेश के विभिन्न जनपदों में सप्लाई करता था। गोमती नगर के उजरियांव से एसटीएफ ने दो आरोपितों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से एक करोड़ रुपये के इंजेक्शन बरामद किए हैं।इनके खिलाफ गोमती नगर थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया है। एसटीएफ के उपाधीक्षक दीपक कुमार सिंह ने बताया कि टीम को आक्सीटोसिन की खेप लाकर उसमें मिलावट करने और गैर जनपदों में बिक्री की सूचना मिली थी।

सम्पादकीय

विकसित होने का हौसला

विकसित होने की मंशा में हिमाचल का प्रगतिशील चरित्र कमोबेश हर सरकार का गुणगान करता रहा है, तो इसी मुकाम में अब सुक्खू सरकार के हस्ताक्षर भी देखे जाएंगे। कई परियोजनाएं, योजनाएं और सत्ता के फलक पर चिन्हित होते इरादों की एक झलक मुख्यमंत्री द्वारा आहूत विभागीय बैठकें दे रही हैं। छोटे विभागों के विषय बड़े किए जा रहे हैं, तो विभागीय ढांचों में नई ऊर्जा की उत्पत्ति के स्रोत पैदा हो रहे हैं। पुलिस महकमे के बाद स्वास्थ्य क्षेत्र के विराम तोड ? की कई कोशिशें मेडिकल कालेजों में हो रही हैं। रोबोटिक सर्जरी के पहलू में चमत्कारिक परिवर्तन की आशा लिए आईजीएमसी और टीएमसी ने कार्यदक्षता में एक नई भूमिका खोज ली है, लेकिन चिकित्सा विज्ञान की श्रेष्ठता में हर मेडिकल कालेज के लक्ष्य निरूपित होने चाहिए। दरअसल हिमाचल के प्रत्येक मेडिकल कालेज में पीजीआई का दिल धडकना चाहिए। यह एक कड़ी परीक्षा, कार्यसंस्कृति और उच्च स्तरीय सुविधाओं से सुसज्जित गुणवत्ता है, जिसके लिए एक बेहतर प्रबंधकीय व्यवस्था व आचरण की जरूरत रहेगी। हिमाचल साढ़े नौ सौ के करीब प्रति वर्ष डाक्टर पैदा करके चिकित्सा के शब्दकोष बदल सकता है, लेकिन इसकी प्रतिष्ठा के लिए मुकम्मल इंतजाम की शर्तें लागू होनी चाहिएं। अभी कई मेडिकल कालेजों में डाक्टर हैं, तो उपकरण नहीं। उपकरण हैं तो तकनीशियन नहीं और तकनीशियन है तो 24 घंटे इन्हें जगाने की संख्या नहीं। बहरहाल मेडिकल कालेजों की इमरजेंसी में सुपर स्पेशियलिटी के 32 सहायक प्रोफेसरों को भेजा जा रहा है। इससे इतर तमाम जिला, सिविल, क्षेत्रीय व जोनल अस्पतालों को भी दक्षता के हिसाब से प्राइवेट अस्पतालों से श्रेष्ठ साबित करना पड़ेगा। विकसित होते हिमाचल की क्षमता में शहरी विकास के सपने फिर से जादुई अरमान जगा रहे हैं। हिमुडा अपने इतिहास के पन्नों पर नई सुर्खियां भरने को आमादा हुआ तो इसे चंडीगढ़ के नजदीक और कांगड़ा एयरपोर्ट के पास दो उपग्रह शहर बसाने का हौसला दिया जा रहा है। इससे पहले पर्यटन राजधानी के मंसूबों में आए सपनों का मानचित्र बना और इसी परिप्रेक्ष्य में कांगड़ा हवाई अड्डे का विस्तार आंखें खोलने लगा है। भू-अधिग्रहण के तहत 460 करोड़ आबंटित हो चुके हैं, जबकि 1899 करोड़ से इसी कार्रवाई को अब अंजाम तक पहुंचाने की तैयारी है। पर्यटन व कई अन्य क्षेत्रों के विकास को देखते हुए कांगड़ा हवाई अड्डे का विस्तार, एक नए युग सरीखा है। हिमाचल को विकास के मार्फत भविष्य दिखाने का यह अर्थ नहीं कि जनता को सिर्फ गुलकंद खिलाया जाए। हर तरह के विकास का अपना साहस और सामर्थ्य तय होना चाहिए, दुर्भाग्यवश हिमाचल में विकास से जो हासिल होना था या इसके जरिए जिस आर्थिक आत्मनिर्भरता की गुंजाइश थी, वह नजरअंदाज हुई है। मसलन हमने कृषि और बागबानी के दो अलग-अलग विश्वविद्यालय तो बना लिए, लेकिन न कृषि और न ही वानिकी आर्थिकी में हम अपना प्रदर्शन सही कर पाए। दरअसल हम हिमाचली विकास का एक रोडमैप बना ही नहीं पाए। हमारी वित्तीय व्यवस्था, आर्थिक ढांचा और विकास की प्राथमिकताएं केवल एक सरकार के प्रदर्शन या सत्ता की दृष्टि में चुनाव के दर्शन करते गुजर गईं। नतीजतन प्रदेश में दूरगामी योजनाओं का श्रीगणेश नहीं हो सकता। हमारे खेत और बागीचे भी क्षेत्रवाद में बंट गए, लिहाजा अब विकास की पगडंडियों पर हम हाई-वे की मंजिलें खोज रहे हैं। अगर प्रदेश को समन्वित विकास का एक बड़ा चित्र बनाना है, तो विकास की जवाबदेही में आर्थिक स्वावलंबन नत्थी करना होगा।

भारत की महिला क्रिकेट टीम ने आईसीसी महिला वर्ल्ड कप जीतकर न केवल खेल के मैदान में बल्कि देश के हर घर में गर्व, प्रेरणा और आत्मविश्वास का संचार किया है। यह विजय भारतीय खेल इतिहास का स्वर्णिम अध्याय है, एक ऐसा क्षण जिसने यह साबित कर दिया कि अब महिला खिलाड़ी किसी भी क्षेत्र में पुरुषों से पीछे नहीं हैं। यह जीत केवल एक ट्रॉफी नहीं, बल्कि भारतीय नारी शक्ति की नई परिभाषा है। इस ऐतिहासिक जीत ने भारत की लाखों लड़कियों के दिलों में एक नया सपना जगाया है। जहां कभी क्रिकेट को पुरुषों का खेल माना जाता था, आज के बाद महिला क्रिकेट को भी बराबर का दर्जा दिया जाना चाहिए। 1983 की कपिल देव की टीम की तरह ही उन्होंने सिद्ध किया कि उनमें जोश जज्बे और देश के लिए कुछ करने के माद्दे की कमी नहीं है। अवसर को कैसे बनाया जाए इसकी मिसाल दी युवा बल्लेबाज शेफाली वर्मा ने, उनकी आक्रामक बल्लेबाजी, अनुभवी स्मृति मंधाना की सधी हुई पारी और हरमनप्रीत कौर की कप्तानी, मिताली का कैच, रेणुका सिंह ठाकुर की गेंदबाजी का जिक्र तो होगा ही, सबसे ज्यादा जिक्र होगा इन खिलाड़ियों की टीम स्पिरिट और खेल भावना के नायाब प्रदर्शन का। महिला क्रिकेट के संघर्ष और सफलता का विश्लेषण करता *आजकल* का यह खास अंक...

मुबारक हो उपेक्षित रात की स्वर्णिम सुबह

विश्लेषण

डॉ. घनश्याम बादल

स्वतंत्र पत्रकार

दो नवंबर 2025 की रोशन रात भारतीय खेल जगत की एक ऐतिहासिक एवं स्वर्णिम घटना के रूप में याद की जाएगी जो भारत और यहां की लड़कियों तथा महिला खिलाड़ियों के लिए एक स्वर्णिम सुबह लेकर आई। यदि इस जीत को हमने देश के महिला जगत एवं खेल जगत के लिए एक अवसर के रूप में इस्तेमाल कर लिया तो आने वाली पीढ़ियों के लिए यह जीत यह एक 'टर्निंग प्वाइंट' सिद्ध होगी। भारत की महिला क्रिकेट खिलाड़ियों ने अफ्रीका की मजबूत क्रिकेट टीम को 52 रन के भारी अंतर से हराकर आईसीसी महिला विश्व क्रिकेट कप पर ही कब्जा नहीं किया अपितु यह सिद्ध किया है कि अब भारत की लड़कियां दुनिया के किसी हिस्से की लड़कियों से कम नहीं हैं।

भारत की महिला क्रिकेट खिलाड़ियों ने अफ्रीका की मजबूत क्रिकेट टीम को 52 रन के भारी अंतर से हराकर आईसीसी महिला विश्व क्रिकेट कप पर ही कब्जा नहीं किया अपितु यह सिद्ध किया है कि अब भारत की लड़कियां दुनिया के किसी हिस्से की लड़कियों से कम नहीं हैं। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने आईसीसी महिला वर्ल्ड कप जीतकर न केवल खेल के मैदान में बल्कि देश के हर घर में गर्व, प्रेरणा और आत्मविश्वास का संचार किया है। एक ऐसा क्षण जिसने यह साबित कर दिया कि अब महिला खिलाड़ी किसी भी क्षेत्र में पुरुषों से पीछे नहीं हैं।

भारत की महिला क्रिकेट टीम ने आईसीसी महिला वर्ल्ड कप जीतकर न केवल खेल के मैदान में बल्कि देश के हर घर में गर्व, प्रेरणा और आत्मविश्वास का संचार किया है। यह विजय भारतीय खेल इतिहास का स्वर्णिम अध्याय है, एक ऐसा क्षण जिसने यह साबित कर दिया कि अब महिला खिलाड़ी किसी भी क्षेत्र में पुरुषों से पीछे नहीं हैं। यह जीत केवल एक ट्रॉफी नहीं, बल्कि भारतीय नारी शक्ति की नई परिभाषा है।

खेल से मंत्रमुग्ध किया

पूरे टूर्नामेंट में भारतीय महिला टीम ने अपने खेल से मंत्रमुग्ध किया। कप्तान हरमनप्रीत कौर के नेतृत्व में टीम ने हर चुनौती, हार-जीत और उतार चढ़ाव का डटकर सामना किया और लीग चरण से लेकर फाइनल तक अपनी रणनीति, अनुशासन और टीम भावना के बल पर देश को विश्व चैंपियन बनाया। इस विश्व कप के फाइनल में जीत का परचम लहराने वाली इन लड़कियों का सामना हार से भी हुआ और वह लगातार तीन मैच ऑस्ट्रेलिया इंग्लैंड तथा दक्षिण अफ्रीका से हारी। जब वह हार रही थीं तब शायद ही किसी ने सोचा होगा कि ये शेरनियां पलट कर ऐसा वार भी कर सकती हैं। 1983 की कपिल देव की टीम की तरह ही उन्होंने सिद्ध किया कि उनमें जोश जज्बे और देश के लिए कुछ करने के माद्दे की कमी नहीं है। अवसर को कैसे बनाया जाए इसकी मिसाल दी युवा बल्लेबाज शेफाली वर्मा ने, उनकी आक्रामक बल्लेबाजी, अनुभवी स्मृति मंधाना की सधी हुई पारी और हरमनप्रीत कौर की कप्तानी, मिताली का कैच, रेणुका सिंह ठाकुर की गेंदबाजी का जिक्र तो होगा ही, सबसे ज्यादा जिक्र होगा इन खिलाड़ियों की टीम स्पिरिट और खेल भावना के नायाब प्रदर्शन का। सेमीफाइनल मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया जैसी दिग्गज टीम को हराना ऐतिहासिक था।

टीम का जज्बा और संकल्प

फाइनल में 52 रन की बड़ी जीत इस टीम के जज्बे और संकल्प को रेखांकित करती है। इस मैच में भारतीय टीम ने न केवल तकनीकी श्रेष्ठता बल्कि मानसिक दृढ़ता का परिचय दिया। हर खिलाड़ी ने टीम की सफलता में योगदान दिया, चाहे वह फील्डिंग में चपलता हो या आखिरी ओवरों में दबाव झेलने की क्षमता। इस विजय का सबसे बड़ा कारण टीम स्पिरिट और आपसी विश्वास था। हर खिलाड़ी ने अपनी भूमिका को बखूबी समझा और व्यक्तिगत उपलब्धियों से अधिक टीम की जीत को प्राथमिकता दी। इस टीम के कोच और देश के अंदरूनी क्रिकेट के सचिन तेंदुलकर कहे जाने वाले अनमोल मजूमदार की कभी नीली जर्सी ना पहन पाने की टीस भी इन लड़कियों ने खत्म कर दी। उनकी कोचिंग,कोचिंग स्टाफ और सपोर्ट टीम की भी खिलाड़ियों को मानसिक रूप से तैयार करने में अहम भूमिका रही। टीम की यह एकजुटता और सामूहिक प्रयास उस परंपरा का प्रतीक है जिसमें सामूहिक सफलता को सर्वोच्च माना जाता है। महिला खिलाड़ियों ने यह दिखा दिया कि सफलता केवल व्यक्तिगत प्रतिभा से नहीं, बल्कि सामूहिक समर्पण और एक-दूसरे पर भरोसे से हासिल होती है। इस ऐतिहासिक जीत ने भारत की लाखों लड़कियों के दिलों में एक नया सपना जगाया है। जहां कभी क्रिकेट को पुरुषों का खेल माना जाता था, आज के बाद महिला क्रिकेट को भी बराबर का दर्जा दिया जाना चाहिए। इसमें दो राय नहीं कि सरकार और समाज तथा प्रमोटर पैसे की बारिश कर सकते हैं लेकिन सबसे ज्यादा जरूरत है।

सामाजिक मानसिकता बदलेगी

'बेटी पढ़ाओ, बेटी बचाओ' की तर्ज पर ही 'बेटी खिलाओ, बेटी बढ़ाओ' जैसे अभियान यथार्थ के धरातल पर चलाए जाने चाहिए। बेशक, यदि सब ठीक रहे तो यह जीत सामाजिक मानसिकता में बड़ा परिवर्तन लाएगी। अब माता-पिता अपनी बेटियों को खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करेंगे। महिला खेल अकादमियों की स्थापना व वृद्धि के साथ वहां की दशा एवं दिशा दोनों में सुधार की गति को बढ़ाना होगा। उम्मीद करनी चाहिए कि यह जीत इन प्रयासों को और गति देगी। विश्व चैंपियन बनने के साथ ही भारतीय महिला क्रिकेट एक नए युग में प्रवेश कर चुका है। यह विजय न केवल खिलाड़ियों के आत्मविश्वास को बढ़ाएगी बल्कि महिला क्रिकेट के बुनियादी ढांचे को भी सुदृढ़ करेगी और विश्व कप की जीत से इसकी लोकप्रियता और निवेश दोनों में वृद्धि होगी, ऐसी उम्मीद करना अनुचित नहीं होगा।

सरकार को देना होगा ध्यान

नए स्पॉन्सर, बेहतर प्रशिक्षण सुविधाएं, और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अधिक मैचों की संभावना आने वाले वर्षों में भारत को विश्व की सबसे मजबूत महिला क्रिकेट संरचनाओं में से एक बना सकता है। महिला क्रिकेट की इस अभूतपूर्व सफलता को बनाए रखने के लिए सरकार और समाज दोनों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। सरकार को चाहिए कि वह महिला खिलाड़ियों को उचित आर्थिक सहायता, विश्वस्तरीय प्रशिक्षण केंद्र और खेल उपकरण उपलब्ध कराए। ग्रामीण और अर्धशहरी क्षेत्रों में महिला क्रिकेट अकादमियों की स्थापना से नई प्रतिभाओं को मौका मिलेगा। साथ ही, खिलाड़ियों को स्पोर्ट्स कोटा के तहत नौकरियों और प्रोत्साहनों से सम्मानित करना चाहिए ताकि वे आर्थिक रूप से सुरक्षित रहते हुए अपने खेल पर पूरा ध्यान दे सकें। मीडिया और निजी क्षेत्र को भी महिला क्रिकेट को उसी स्तर की पहचान देनी चाहिए जैसी पुरुष क्रिकेट को दी जाती है। यह ट्रॉफी भारत के लिए केवल एक खेल उपलब्धि नहीं, बल्कि सामाजिक सशक्तिकरण का प्रतीक है। इस जीत ने यह संदेश दिया है कि यदि अवसर मिले तो भारतीय महिलाएं किसी भी क्षेत्र में विश्व विजेता बन सकती हैं।

मगर याद यह भी रखना होगा कि जीत की परंपरा कायम रखना भी एक बड़ी जिम्मेदारी होगी। इसलिए इससे खुश होने के साथ-साथ इसे बरकरार रखने के लिए कड़े परिश्रम की भी जरूरत होगी।

महिला क्रिकेट टीम ने रचा विश्व कप का नया इतिहास

कीर्तिमान

डॉ. प्रियंका सौरभ

स्वतंत्र पत्रकार

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने दक्षिण अफ्रीका को हराकर वर्ष 2025 का क्रिकेट विश्व कप जीत लिया है। यह जीत केवल एक ट्रॉफी नहीं, बल्कि उस अदम्य जज़्बे, संकल्प और संघर्ष का प्रतीक है जिसने वर्षों से भारतीय बेटियों को खेल के क्षेत्र में नई पहचान दिलाई है। यह क्षण हर भारतीय के लिए गर्व, उत्साह और प्रेरणा का है, क्योंकि यह सिर्फ मैदान की जीत नहीं, बल्कि मानसिकता की भी जीत है। भारतीय महिला क्रिकेट का यह गौरवशाली अध्याय उस लंबे सफर का परिणाम है, जो संघर्ष, सीमित संसाधनों और सामाजिक बाधाओं के बीच शुरू हुआ था। एक समय ऐसा भी था जब महिला क्रिकेट को गम्भीरता से नहीं लिया जाता था, न दर्शक होते थे, न प्रायोजक। लेकिन समय बदला, और इन बेटियों ने अपने खेल, समर्पण और प्रतिभा के बल पर पूरी दुनिया को दिखा दिया कि खेल का मैदान किसी एक लिंग की बपौती नहीं है।

यह जीत केवल एक खेल प्रतियोगिता की विजय नहीं है, बल्कि यह उस मानसिक परिवर्तन का प्रतीक है जो भारत में महिलाओं की स्थिति और दृष्टिकोण को लेकर हो रहा है।

आज जब भारत विश्व कप जीतकर विश्व का सिरमौर बना है, तो यह जीत हर उस बेटी की आवाज है जिसने अपने सपनों को समाज की बंदिशों से ऊपर रखा। यह जीत केवल एक खेल प्रतियोगिता की विजय नहीं है, बल्कि यह उस मानसिक परिवर्तन का प्रतीक है जो भारत में महिलाओं की स्थिति और दृष्टिकोण को लेकर हो रहा है। कभी जिन बेटियों को कहा जाता था कि "खेल लड़कियों का काम नहीं", वही आज विश्व चैंपियन बनी खड़ी हैं।

इस जीत ने समाज को यह संदेश दिया है कि अगर अवसर मिले तो भारतीय महिलाएं किसी भी क्षेत्र में पुरुषों से कम नहीं। आज ये खिलाड़ी सिर्फ खेल नहीं रही हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक नया रास्ता तैयार कर रही हैं। भारतीय महिला क्रिकेट टीम का यह गौरवशाली प्रदर्शन वर्षों के परिश्रम का परिणाम है। महिला आईपीएल ने खिलाड़ियों को मंच और आत्मविश्वास दोनों दिया। छोटे शहरों और कस्बों से आने वाली खिलाड़ी जैसे कि प्रतीका रावल, हरलीन देओल, जेमिमा रोड्रिग्स, स्नेह राणा, राधा यादव और रेणुका ठाकुर ने दिखा दिया कि प्रतिभा किसी भौगोलिक सीमा की मोहताज नहीं होती। इन खिलाड़ियों ने न केवल मैदान में बल्कि देश के हर घर में प्रेरणा की नई कहानी लिख दी है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड और खेल मंत्रालय ने पिछले कुछ वर्षों में महिला क्रिकेट को लेकर जो नीतिगत बदलाव किए हैं, वे इस सफलता की बुनियाद बने। समान वेतन नीति ने खिलाड़ियों को आत्म-सम्मान दिया, जबकि बेहतर कोचिंग सुविधाएँ और घरेलू टूर्नामेंट्स ने उन्हें अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार किया। यह देखना सुखद है कि अब महिला क्रिकेट को भी वही सम्मान और प्रसारण मिल रहा है जो पुरुष टीम को मिलता है।

मोनिका डागा

जीत के जश्न का दमदार आगाज

नई ऐतिहासिक जीत के जश्न का दमदार आगाज किया है,
घर में छुपी बंद मुस्कुराहटों को बिखेरने का साज दिया है,
बेटियों ने बेटियों को भविष्य का एक सुंदर ख्वाब दिया है,
बुलंद हौसलों से कठिनाइयों को मुँह तोड़ जवाब दिया है ।

तोड़कर बंदिशें तपस्या से दृढ़ संकल्प को संजीव किया है,
प्रतिभाशाली व्यक्तित्व से जड़ों को मजबूत अतीव किया हैं
ख्वाबों को हकीकत की धरातल पर श्रम से रंगीन किया है,
खुशियों के आँसू दे धड़कनों को आनंद यूं नवीन दिया हैं।

पैनी नजर लक्ष्य की पकड़ संग धैर्य का समावेश किया है,
हार को जीत में ढालना है संभव श्रेष्ठतम परिवेश दिया हैं,
आत्म विश्वास और उत्साह की किरणों का प्रकाश दिया हैं,
अरबों आंखों में पल रहे रंगीन सपनों को आकाश दिया है ।

सर्पीले रास्तों पर पसीने का चमकता शीतल चंदन दिया है,
भारत का ही नहीं विश्व की धड़कनों को नया स्पंदन दिया है,
संगठन की ताकत और समर्पण का जज्बा प्रस्तुत किया है,
जीत कर वूमेन्स वर्ल्ड कप अलग उदाहरण अद्भुत दिया हैं।
खुद पर करना होगा यकीं ऐसा महत्वपूर्ण अभ्यास दिया हैं,
जोर शोर हिलोर मचाने को रचने को नया इतिहास दिया है,
नीली जर्सी में बेटियों ने शानदार जीत को अंजाम दिया हैं,
दबी चाहतों को अर्जुन के तीर सा लक्ष्यभेदी पैगाम दिया हैं ।

म्हारी छोरियां, छोरों से कम नहीं...

इनामों की बरसात

आईसीसी महिला विश्व कप में भारतीय टीम की जीत के बाद से ही देश में जश्न है और लोग बेटियों को बधाई देते नहीं थक रहे हैं. इस जीत के साथ ही भारतीय टीम पर लगातार इनामों की बरसात हो रही है।

- बीसीसीआई ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम को सम्मान के तौर पर 51 करोड़ रुपये का नकद पुरस्कार देने की घोषणा की है। इसमें सभी खिलाड़ी, सहयोगी स्टाफ और राष्ट्रीय चयन समिति के सदस्य शामिल हैं।
- मध्यप्रदेश सरकार ने टीम की सदस्य क्रांति गौड़ को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए एक करोड़ रुपये का इनाम देने की घोषणा की है।
- हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने तेज गेंदबाज रेणुका ठाकुर को 1 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि देने का ऐलान किया।
- रियल एस्टेट कंपनी ओमैक्स लिमिटेड ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमन प्रीत कौर को अपना ब्रांड एंबेसडर बनाया है।
- उत्तर प्रदेश में दीप्ति शर्मा को उपाधीक्षक बनाया गया है।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने लिख डाली नई गौरव-गाथा

विश्व कप क्रिकेट

सुनील कुमार महला

स्वतंत्र पत्रकार

दो नवंबर 2025 का दिन अपने-आप में ऐतिहासिक बन गया और हम सभी गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। दरअसल, इस दिन हमारे देश की महिला क्रिकेट टीम 'विश्व विजेत्री' बन गई। रविवार को नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम पर खेले गए मुकाबले में भारत ने पहले भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में सात विकेट पर 298 रन बनाए तथा जवाब में दक्षिण अफ्रीका की टीम 45.3 ओवर में 246 रन पर ऑलआउट हो गई। इस मैच में साउथ अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोल्वार्ट ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी थी, लेकिन भारत ने यह मुकाबला 52 रन से जीत लिया और पहली बार महिला टीम वनडे विश्व कप का खिताब जीतने में कामयाब रही। हालांकि,लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लॉरा वूलवार्ट ने अकेले दम पर लड़ाई लड़ी। उन्होंने दबाव में रहते हुए भी शानदार बल्लेबाजी की और लगातार दूसरा शतक जड़ते हुए 101 रन बनाए। कहना ग़लत नहीं होगा कि उनकी पारी ने मैच को काफ़ी रोमांचक बनाए रखा, लेकिन उन्हें दूसरे छोर से पर्याप्त समर्थन नहीं मिल सका। इधर, हरमनप्रीत कौर ने भारतीय टीम का नेतृत्व किया और अब वह कपिल देव, एमएस धोनी और रोहित शर्मा जैसे महान कप्तानों की श्रेणी में शामिल हो गई हैं, विशेष बधाई और शुभकामनाएं। वास्तव में, यह दर्शाता है कि आज महिलाएं किसी भी क्षेत्र में पुरूषों से कम नहीं हैं। आज हमारे देश की महिलाएं हर क्षेत्र में कीर्तिमान पर कीर्तिमान स्थापित कर रहीं हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो आज महिला सशक्तीकरण हो रहा है।

महिलाएं हर क्षेत्र में आगे

सच तो यह है कि आज महिलाएं जीवन के हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का परचम लहरा रही हैं। वे राजनीति, विज्ञान, शिक्षा, खेल, रक्षा, अंतरिक्ष और उद्योग जगत तक में उत्कृष्ट योगदान दे रही हैं। और तो और तकनीकी और चिकित्सा क्षेत्र में भी उनकी भूमिका तेजी से बढ़ी है। यह साबित करता है कि महिलाएं अब सीमाओं को तोड़कर हर क्षेत्र में अग्रणी बन चुकी हैं। हम यहां यह बात खुले दिल से कह सकते हैं कि महिला सशक्तीकरण का स्वर अब क्रिकेट के मैदानों में भी गूंजने लगा है। आज भारतीय महिला खिलाड़ी अपने प्रदर्शन से विश्वभर में देश का नाम रौशन कर रही हैं। खेल के माध्यम से

महिला सशक्तीकरण का स्वर अब क्रिकेट के मैदान में भी गूंजने लगा है। आज भारतीय महिला खिलाड़ी अपने प्रदर्शन से विश्वभर में आत्मविश्वास, नेतृत्व और स्वतंत्र सोच का परिचय दे रही हैं।

महिलाएं आत्मविश्वास, नेतृत्व और स्वतंत्र सोच का परिचय दे रही हैं। जहां तक क्रिकेट की बात है तो, क्रिकेट भी अब सिर्फ पुरुषों का खेल नहीं रहा है, बल्कि यह अब समान अवसर और सम्मान का प्रतीक बन गया है। यह बदलाव समाज में महिलाओं की बढ़ती ताकत और उनकी नई पहचान का सशक्त उदाहरण है। बताते चलें कि 25 जून 1983 को कपिल देव के नेतृत्व में भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम ने इतिहास रचते हुए पहली बार क्रिकेट विश्व कप जीतकर देश का सिर गर्व से ऊंचा कर दिया था। वही इतिहास अब दोबारा लिखा गया है, पर इस बार बल्ला थामा हरमनप्रीत कौर की कप्तानी वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका को करारी शिकस्त देकर विश्व क्रिकेट में एक नया स्वर्ण अध्याय जोड़ दिया है।

भारतीय नारी शक्ति की जीत

यह जीत सिर्फ एक खेल की जीत नहीं, बल्कि भारतीय नारी शक्ति की उड़ान का प्रतीक है। हर महिला खिलाड़ी ने मैदान पर ऐसा जज़्बा दिखाया, मानो 1983 की आत्मा फिर से जीवित हो उठी हो। करोड़ों भारतीयों के दिलों में गर्व और खुशी का सैलाब उमड़ पड़ा है। महिला क्रिकेट की यह उपलब्धि आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करेगी कि मेहनत और हौसले से कोई भी सपना असंभव नहीं। अब भारत न केवल पुरुष क्रिकेट का, बल्कि महिला क्रिकेट का भी विश्व विजेता बन चुका है। कहना ग़लत नहीं होगा कि वास्तव में यह सच्चे अर्थों में 'नए भारत' का गौरव क्षण है। इस खिताबी जीत में शेफाली वर्मा और दीप्ति शर्मा का अहम योगदान रहा। रोहतक की शेफाली ने पहले 78 गेंद पर 87 रन बनाए और फिर बाद में अपनी फिरकी का जादू चलाते हुए शीर्ष पांच में से दो साउथ अफ्रीकी बैटर्स के विकेट भी निकाले। दीप्ति शर्मा ने 58 रन बनाए और शानदार गेंदबाजी करते हुए अपनी ऑफ-स्पिन से 39 रन देकर 5 विकेट भी लिए। वास्तव में सच तो यह है कि भारतीय जीत की वास्तुकार बनीं ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा।

उन्होंने ही निर्णायक क्षणों में शतकवीर वूलवार्ट का विकेट लिया, जिससे दक्षिण अफ्रीका की उम्मीदें टूट गईं। उनकी इस जादुई गेंदबाजी ने टीम इंडिया की जीत सुनिश्चित की। शेफाली वर्मा को 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया, जबकि दीप्ति शर्मा को 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' चुना गया। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की ऐतिहासिक जीत से देशभर में महिलाओं के खेल के प्रति नजरिया और भी सकारात्मक होगा। यह जीत न केवल खिलाड़ियों के आत्मविश्वास को नई ऊँचाइयाँ देगी, बल्कि आने वाली पीढ़ी की लड़कियों को भी खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी। दूसरे शब्दों में कहें तो यह जीत देश भर में महिला क्रिकेट के प्रति जागरूकता और समर्थन को भी बढ़ाएगी। उम्मीद है कि इस सफलता से महिला क्रिकेट को और अधिक प्रोत्साहन मिलेगा।

उत्तराखंड के 'सिल्वर जुबली' कार्यक्रम में पीएम मोदी ने की शिरकत

8,260 करोड़ के विकास कार्यों की सौगात दी जलापूर्ति, इलेक्ट्रिकल सबस्टेशन की शुरुआत

बच्चों और लाभार्थियों से संवाद भी किया, बच्चों ने गुलाब का फूल भेंट किया

कार्यक्रम को संबोधित करते प्रधानमंत्री

एजेंसी ▶▶ देहरादून

उत्तराखंड राज्य के गठन को रविवार को 25 साल पूरे हुए। इस 'सिल्वर जुबली' के मौके पर देहरादून में खास कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शिरकत की। उन्होंने उत्तराखंड को 8,260 करोड़ के विकास कार्यों की सौगात दी। उन्होंने प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। ऐतिहासिक एफआरआई मैदान में पीएम मोदी को सुनने के लिए वहां एक लाख से ज्यादा लोग मौजूद रहे। उत्तराखंड सरकार का अमृतकाल में 'विकसित उत्तराखंड' के विजन पर जोर है। समारोह में उन्होंने बच्चों तथा लाभार्थियों से संवाद भी किया। इन परियोजनाओं में पेयजल आपूर्ति, सिंचाई, तकनीकी शिक्षा, ऊर्जा, शहरी विकास, खेल और कौशल विकास जैसे क्षेत्र शामिल हैं। सीएम पुष्कर सिंह धामी ने पारंपरिक ढोल-वाद्य यंत्रों से उनका भव्य स्वागत किया। बच्चों ने प्रधानमंत्री को गुलाब का फूल भेंट किया।

बुजुर्गों और लाभार्थियों से संवाद किया

प्रधानमंत्री मोदी ने एफआरआई में एक कार्यक्रम में भाग लिया। इस कार्यक्रम के दौरान उन्होंने बुजुर्गों और अन्य लाभार्थियों से संवाद किया। इसके बाद उन्होंने राज्य में 8,140 करोड़ रुपये की विभिन्न परियोजनाओं का शुभारंभ और लोकार्पण किया।

पीएम ने किया अवलोकन

इन परियोजनाओं का किया शुभारंभ

प्रधानमंत्री मोदी ने देहरादून शहर के 23 जोनों में पेयजल आपूर्ति बढ़ाने के लिए अमृत योजना के तहत जलापूर्ति परियोजना शामिल है। पिथौरागढ़ जिले में इलेक्ट्रिकल सबस्टेशन का भी शुभारंभ किया गया। सरकारी भवनों में सोलर पावर प्लांट की स्थापना और नैनीताल के हल्द्वानी स्टेडियम में एस्ट्रोटर्फ हॉकी ग्राउंड का निर्माण भी इन परियोजनाओं का हिस्सा है।

बच्चों से बात की, दुलारा

पीएम मोदी ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया। प्रदर्शनी में उत्तराखंड की 25 वर्षों की यात्रा को दिखाया गया है। उन्होंने महिला उद्यमियों, विभिन्न हितधारकों से संवाद किया। यहां कुछ बच्चों से मिले और दुलार किया।

नैनी सैनी एयरपोर्ट के अधिग्रहण पर किया ऐतिहासिक समझौता

प्रधानमंत्री की उपस्थिति में भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण और उत्तराखंड सरकार के बीच पिथौरागढ़ स्थित नैनी सैनी एयरपोर्ट के अधिग्रहण के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। यह सुगम, सुरक्षित और टिकाऊ हवाई संपर्क की दिशा में अहम कदम है।

गढ़वाली में संबोधन, पीएम ने गिनाईं 25 वर्षों की उपलब्धियां

- पीएम मोदी ने भाषण की शुरुआत गढ़वाली भाषा में जनता के अभिवादन से की। उन्होंने कहा कि देवभूमि उत्तराखंड का मेरा भाई बंधो, भैया भूली, आप सभी को मेरा नमस्कार।
- पीएम ने कहा कि '2047 मा भारत थे विकसित देशों की लेन मा ल्याण धुणी म्यारो उत्तराखंड मेरो देवभूमि पूरी तरह से त्यार छिन।
- उन्होंने कहा कि पहले उत्तराखंड का बजट 4 हजार करोड़ था। आज ये बढ़कर एक लाख करोड़ को पार कर चुका है।
- उत्तराखंड ऊर्जा प्रदेश बना है। बिजली उत्पादन 4गुना ज्यादा हो गया है।
- यहां रोड कनेक्टिविटी पर बेहतर काम हो रहा है। सड़कों की लंबाई बढ़कर दोगुनी हो गई है।
- प्रदेश में हवाई यात्रा को बढ़ावा मिला है। अब एक दिन में 4 हजार यात्री हवाई जहाज से आते हैं।
- प्रदेश में इंजीनियरिंग कॉलेजों की संख्या बढ़ी है। आज यहां 10 मेडिकल कॉलेज हैं।
- आज हर गांव वैक्सीन कवरेज के दायरे में आ गया है।
- शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यटन, खेल से जुड़े प्रोजेक्ट यहां विकास की यात्रा को आगे बढ़ाएंगे।
- राज्य में दो लाख से अधिक की परियोजनाओं का काम चल रहा है।
- 'जहां चाह वहां राह'। हमें पता होगा कि हमारा लक्ष्य क्या है तो निश्चित ही हम आगे बढ़ेंगे।
- यहां हर विधानसभा में योग केंद्र, होम स्टे, एक कंप्लीट पैकेज यहां बनने चाहिए।
- पहाड़ी भोजन को पर्यटकों की परोसना होगा।
- स्थानीय मेलों और पर्वों को लाने के लिए एक जिला एक मेला जैसा अभियान चलाया जा सकता है।
- डेमोग्राफिक चेंज, भूमि अतिक्रमण जैसे मुद्दे पर भी धामी सरकार ने बेहतर काम किया है।
- आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में जनता की हर संभव मदद का प्रयास किया है।

पीएम को लिखा खून से पत्र

पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री को भारत रत्न दिया जाए

एजेंसी ▶▶ मथुरा

दिनेश फलाहारी

बागेश्वर धाम सरकार के पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री को भारत रत्न देने की मांग की गई है। श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर केस के मुख्य याचिकाकर्ता दिनेश फलाहारी महाराज ने प्रधानमंत्री को खून से पत्र लिखकर यह मांग रखी है। वृंदावन के महामंडलेश्वर राधा नंद गिरी के आश्रम में दिनेश फलाहारी महाराज ने ये पत्र लिखा और कहा कि धीरेंद्र ने विश्वभर के सनातनियों को एक सूत्र में बांधा है। वे जाति-पाति, ऊंच-नीच से ऊपर उठकर, हर हिंदू को एकजुट करने का प्रयास कर रहे हैं। प्रधानमंत्री से निवेदन किया है कि उन्हें भारत रत्न से सम्मानित किया जाए। उन्होंने जो कार्य किया है, वह सनातन धर्म के उत्थान और एकता के लिए अमूल्य है। फलाहारी महाराज का कहना है वे शास्त्री हनुमान जी के परम भक्त हैं। उन्होंने कठिन यात्राएं करके हिंदू समाज को जागरूक किया है और हिंदू राष्ट्र की दिशा में एक नई सोच को जन्म दिया है।

थरूर का चौंकाने वाला बयान

नेहरू को चीन युद्ध, आडवाणी को केवल रथ यात्रा से न आंकें

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने पूर्व उपप्रधानमंत्री और भाजपा के संस्थापक सदस्यों में से एक लाल कृष्ण आडवाणी की विरासत का बचाव किया है। उन्होंने कहा कि जैसे भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को सिर्फ चीन युद्ध की हार से नहीं आंका जा सकता या इंदिरा गांधी को केवल आपातकाल से नहीं, वैसे ही आडवाणी के लंबे राजनीतिक जीवन को भी एक घटना तक सीमित कर देना अनुचित है। थरूर ने 'एक्स' पर यह बयान आडवाणी के 98वें जन्मदिन पर शुभकामनाएं देते हुए दिया। थरूर ने आडवाणी को 'एक सच्चे राजनेता' बताते हुए कहा कि उनका लोकसेवा के प्रति समर्पण, विनम्रता और ईमानदारी देश के लिए प्रेरणा है। वहीं सुप्रीम कोर्ट के वकील संजय हेगड़े ने थरूर की आलोचना करते हुए लिखा माफ कीजिए थरूर साहब, लेकिन इस देश में नफरत के बीज बोना लोकसेवा नहीं कहा जा सकता।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, पत्थलगांव जिला जशपुर के न्यायालय में मामला

क्रमांकः 202511031100011
विषयः- अ-2
मामले की श्रेणीः- राजस्व
सनः- 2025-2026
पत्थलगांव प.ह.न. 00006 [513/593(0.0400 हे0)]
पक्षकारों का विवरण - आवेदक पक्षकार -सुशिल कुमार नागराज पिता रामसाय नागराज,
अनावेदक पक्षकार -छ. ग. शासन,

ईश्तहार

आवेदक सुशील कुमार नागराज पिता रामसाय नागराज जाति नागवंषी निवासी ग्राम कोड़ासिया, तहसील लैलूंगा, जिला-रायगढ़ (छ.ग.) द्वारा ग्राम पत्थलगांव, प.ह.न. 06 रा.नि.मं. पत्थलगांव, जिला-जशपुर (छ.ग.) स्थित भूमि ख.नं. 513/593 रकबा 0.040 है. (400 वर्गमीटर) भूमि को आवासीय प्रयोजनार्थ के लिये व्यपवर्तन कराये जाने हेतु छ.ग.भू.राजस्व संहिता 1959 की धारा 172 के तहत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। उक्त मामले की सुनवाई दिनांक 26.11.2025 को स्थान अनुविभागीय अधिकारी (रा.) पत्थलगांव के न्यायालय में न्यायालयीन समय प्रातः 10.30 बजे से सायं 5.30 बजे तक होना नियत किया गया है, अतः इसमें जिस किसी भी व्यक्ति को दावा आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वे नियत दिनांक/समय स्थान को मेरे समक्ष न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं, नियत तिथि एवं समय के पश्चात प्राप्त किसी भी दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 03/11/2025 को जारी किया जाता है।

अनुविभागीय अधिकारी राजस्व
पत्थलगांव जिला जशपुर

बिजली खरीद पर नियामक आयोग ने उठाया गंभीर सवाल और प्रक्रिया की स्थगित

लखनऊः उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन की नवंबर में मांगी गई तीन हजार मेगावाट बिजली खरीद की अनुमति पर राज्य विद्युत नियामक आयोग ने रोक लगा दी है। आयोग ने कारपोरेशन से पूरी योजना, औचित्य, केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण की स्वीकृति और विस्तृत कार्ययोजना मांगी है। पिछले दो वर्षों में पावर कारपोरेशन ने करीब 21 हजार मेगावाट बिजली खरीद के लिए समझौता पत्र (पीपीए) तैयार किए हैं। इनमें कुछ पर टेंडर प्रक्रिया चल रही है और कुछ प्रस्ताव लंबित हैं। हाल ही में कारपोरेशन ने एक हजार मेगावाट मीडियम पीक समर और दो हजार मेगावाट लांग टर्म पीक समर बिजली खरीद के लिए नया समझौता पत्र पेश किया, जिस पर आयोग ने गंभीर सवाल उठाते हुए प्रक्रिया को स्थगित कर दिया। आयोग ने पूछा है कि इतनी बड़ी मात्रा में बिजली खरीद की आवश्यकता क्या है और इसके पीछे स्पष्ट योजना क्या है।

न्यायलय लिंक कोर्ट देवनगर तहसील रामानुजनगर जिला सूरजपुर (छ०ग०)

:-ईश्तहार-:

रा०प्र०क० ...ब121/2021-22-

ग्राम कोट के आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक अमेले सिंह आ० धर्मसाय जाति गोंड निवासी ग्राम कोट लिक कोर्ट देवनगर तहसील रामानुजनगर जिला सूरजपुर (छ०ग०) द्वारा आवेदक अपने पिता स्व. धर्मसाय मृत्यु दिनांक 23/03/2023 का विलम्ब मृत्यु प्रमाण पत्र पंजीयन कराने बावत् अनुलब्धता प्रमाण पत्र मय अन्य सहायक दास्तावेज के साथ न्यायलय में आवेदन पत्र पेश किया गया है। अतः उक्त संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विविध प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 21/11/2025 को न्यायीलयीन समयवधि में उपस्थित होकर दावा / आपत्ति पेश कर सकतें है। उसके पश्चात दावा आपत्ति में कोई विचार नही किया जायेगा।

आज दिनांक 6/11/2025 को न्यायलीन पदमुदा एव मेरे हस्ताक्षर से जारी किया।

नायब तहसीलदार
देवनगर
जिला- सूरजपुर (छ.ग.)

दस्तावेज गुम होने की सूचना

मैं फुलबसिया दास पिता नन्दलाल दास, मेरा बीएससी नर्सिंग दस्तावेज दिनांक 04.11.2025 को छाबड़ा बस से वाड्रफनगर आते समय खो गया है। अतः जिस किसी महोदय को मिले तो कृप्या मुझे 9399497294 में सम्पर्क कर सूचित करें।

सूचनादाता
फुलबसिया दास
निवासीः वाड्रफनगर
जिला बलरामपुर-रामानुजगंज
मो.नं. 9399497294

दो पक्षों में मारपीट, दोनों तरफ से मुकदमा दर्ज

लखनऊ। माल थाना क्षेत्र के एक गांव में मारपीट को लेकर दो पक्ष आमने-सामने आ गए। घटना के बाद दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के खिलाफ तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कराया है।

मुंबई में 70 किमी लंबी अंडरग्राउंड टनल बनाई जाएगी

राज्य सरकार ने ग्लोबल सिटी बनाने के लिए बताया जरूरी

एजेंसी ▶▶ मुंबई

मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन डेवलपमेंट अर्थॉरिटी (एमएमआरडीए) शहर में ट्रैफिक जाम को कम करने के लिए एक महत्वाकांक्षी परियोजना पर काम कर रही है। इसमें शहर के नीचे तीन चरणों में 70 किलोमीटर लंबी अंडरग्राउंड रोड टनल नेटवर्क बनाने की योजना है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि ग्लोबस सिटी बनाने के लिए टनल होना बहुत जरूरी है। इससे ट्रैफिक कम होगा और यात्रा सुगम होगी। वहीं उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि यह मुंबई इन मिनट्स का सपना पूरी करेगी। सरकार का यह विजन साकार होगा।

पहले चरण में लगभग 16 किमी का मार्ग तैयार होगा

अधिकारियों के अनुसार पहले चरण में लगभग 16किमी का मार्ग तैयार होगा, जो कोस्टल रोड को बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स और हवाई अड्डे टर्मिनल -2 से जोड़ेगा। दूसरे चरण में लगभग 10किमी की पूर्व-पश्चिम टनल बनाई जाएगी, जो ईस्टर्न एक्सप्रेस हाइवे और वेस्टर्न एक्सप्रेस हाइवे को जोड़ेगी। तीसरे चरण में 44 किमी लंबा उत्तर-दक्षिण मार्ग होगा। नेटवर्क सिग्नल-फ्री और हाई-स्पीड यात्रा के लिए है।

अवधारणा दूरदर्शी लेकिन कार्यान्वयन बेहद जटिल होगा

मुंबई की जटिल भूगोलिक स्थितिबेसाल्ट चट्टान, भूस्खलित भूमि और घनी अंडरग्राउंड यूटिलिटी और टनल निर्माण की उच्च लागत परियोजना के लिए बड़ी चुनौतियां हैं। विशेषज्ञों के अनुसार यह अवधारणा दूरदर्शी है, लेकिन कार्यान्वयन बेहद जटिल होगा।

भीड़भाड़ वाले मुख्य मार्गों से मिलेगा छुटकारा

इस परियोजना का उद्देश्य यात्रियों को भीड़भाड़ वाले मुख्य मार्गों और ट्रैफिक सिग्नलों से बचाकर सीधे भूमिगत मार्ग उपलब्ध कराना है। इससे यात्रा का समय कम होगा और सड़क पर ट्रैफिक, शोर और प्रदूषण में कमी आएगी। एमएमआरडीए ने पहले चरण के लिए डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) बनाने और तकनीकी, आर्थिक और पर्यावरणीय मूल्यांकन करने के लिए कंसल्टेंट की नियुक्ति शुरू कर दी है।

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर, जिला सरगुजा, (छ०ग०)

ईश्तहार

रा०प्र०क्र०./अ-2/2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक तारामनी तिर्की पत्नी विनोद कुजूर जाति उरांव निवासी गोधनपुर अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम सरगंवा तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) खसरा नंबर 613/6 रकबा 0.028 हे० भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, नक्शा, पंचायत प्रस्ताव, रजिस्ट्री की प्रति आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 26/11/2025 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 10/11/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी (रा),
अम्बिकापुर

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर, जिला सरगुजा, (छ०ग०)

ईश्तहार

रा०प्र०क्र०. /अ-2/2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक अलमा तिर्की पुत्री फ्रांसिस तिर्की जाति उरांव निवासी गोधनपुर अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम सरगंवा तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) खसरा नंबर 613/10 रकबा 0.029 हे० भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, नक्शा, पंचायत प्रस्ताव, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 26/11/2025 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 10/11/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी (रा),
अम्बिकापुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, पत्थलगांव जिला जशपुर के न्यायालय मे मामला

क्रमांकः 202511031100028
विषयः- अ-2
मामले की श्रेणीः- राजस्व
सत्तः- 2025-2026
पालीडीह प.ह.न. 00009 [149/9(0.0310 हे0)]
पक्षकारों का विवरण - आवेदक पक्षकार- हर्ष अग्रवाल पिता श्यामसुंदर अग्रवाल,
अनावेदक पक्षकार -छ.ग. शासन,
ईश्तहार

एतद द्वारा समस्त आम जनता ग्राम पालीडीह प.ह.न. 09, तहसील पत्थलगांव, जिला जशपुर (छ.ग.) को सूचित किया जाता है कि आवेदक हर्ष अग्रवाल पिता श्यामसंदर अग्रवाल जाति अग्रवाल, निवासी ग्राम पालीडीह, तहसील पत्थलगांव, जिला-जशपुर (छ.ग.) के द्वारा सारिणी में उल्लेखित ग्राम पालीडीह प. ह. नं. 09 स्थित आवेदित भूमि ख.नं. 149/9 रकबा 0.0310 हे0 (130 वर्गमीटर) का व्यवसायिक प्रयोजनार्थ के लिये व्यपवर्तन कराये जाने हेतु, मय आवेदित भूमि के नक्शा, खसरा, बी-1 की छायाप्रति सहित छ.ग.भू.रा. संहिता 1959 की धारा 172 के तहत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। उक्त मामले की सुनवाई दिनांक 26.11.2025 को स्थान अनुविभागीय अधिकारी (रा.) पत्थलगांव के न्यायालय में न्यायालयीन समय प्रातः 10.30 बजे से सायं 5.30 बजे तक होना नियत किया गया है, अतः इसमें जिस किसी भी व्यक्ति को दावा/आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वे नियत दिनांक/समय /स्थान को मेरे समक्ष न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं, नियत तिथि एवं समय के पश्चात प्राप्त किसी भी दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 10/11/2025 को जारी किया जाता है।

अनुविभागीय अधिकारी राजस्व
पत्थलगांव जिला जशपुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) सीतापुर, जिला सरगुजा (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र./14/अ-2/2025-26

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदकगण संतोष कुमार गुप्ता एवं राजीव कुमार गुप्ता, दीपक गुप्ता, सरिता गुप्ता दोनो पिता गणेश प्रसाद गुप्ता, जाति तेली, निवासी गुरुद्वारा वार्ड महामाया रोड, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा, छ०ग० के द्वारा अपने स्वत्व एवं आधिपत्य की ग्राम गुतुरमा, तहसील सीतापुर, जिला सरगुजा, छ०ग० स्थित भूमि खसरा नंबर क्रमशः 1502, 1503/2, 1542 रकबा क्रमशः 0.450, 0.405, 0.606 कुल रकबा 1.461 हे० भूमि को कृषि भिन्न प्रयोजन औद्योगिक प्रयोजन में व्यपवर्तन किये जाने बाबत् आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

अतः उक्त संबंध में किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई आपत्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 17/11/2025 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति/दावा पेश कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात् प्राप्त आपत्ति/दावा पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 16/10/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पद मुद्रा जारी।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
सीतापुर जिला-सरगुजा

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा०) रामानुजनगर, जिला-सूरजपुर (छ०ग०)

रा०प्र०क०// अ-2/2025-26

-:: ईश्तहार::-

एतद द्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम सोनपुर को सूचित किया जाता है। आवेदक जगनारायण आ. भैयालाल जाति तेली निवासी ग्राम सोनपुर तहसील रामानुजनगर जिला-सूरजपुर अन्य ने अपने स्वामित्व व अधिपत्य की कृषि भूमि स्थित ग्राम सोनपुर प.ह.नं.09 रा.नि.म. पटना तहसील रामानुजनगर, जिला-सूरजपुर स्थित भूमि खसरा नम्बर 1812/2 रकबा 0.05 हे. को औद्योगिक प्रयोजन हेतु व्यपर्वतन किये जाने हेतु आवेदन पत्र के साथ शपथ पत्र, रजिस्ट्री की छायाप्रति, बी-1, खसरा, नक्शा, सरगुजा सेटलमेंट, रिनबरिंग सूची की छायाप्रति एवं ग्राम पंचायत सोनपुर का अन्नापति प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतएव उक्त संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 15.11.2025 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। उसके पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा। आज दिनांक 31.10.2025 को न्यायालयीन पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

अनुविभागीय अधिकारी (रा०)
रामानुजनगर, जिला-सूरजपुर (छ०ग०)

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ०ग०)

रा०प्र०क्र०-/ब-121/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता आ०स्व० सत्यनारायण प्रसाद गुप्ता निवासी मायापुर अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा ग्राम भिटठीकला स्थित भूमि खसरा नंबर 353/3 रकबा 0.202 हे0 भूमि को अनावेदक राहुल साहू आ०स्व सत्यनारायण साहू व अन्य निवासी अम्बिकापुर रोड वार्ड नंबर 07 नवापारा किताब घर मोहल्ला सूरजपुर जिला सूरजपुर छ0ग0 के पास अंकन राषि रुपए 12,50,000/- में बिक्री करने का सौदा तय कर बिक्री अनुमति हेतु आवेदन पत्र श्रीमान कलेक्टर महोदय सरगुजा के समक्ष प्रस्तुत किया गया है, जो जांच एंव पाललय तहसीलदतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 12.11.2025 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय-सीमा के बाद प्राप्त दाची आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा। आज दिनांकः- 14/10/2025 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

तहसीलदार
अम्बिकापुर, सरगुजा

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ०ग०)

रा०प्र०क्र०-/ब-121/2025-26

ईश्तहार एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक निशांत अग्रवाल आ० कैलाश चन्द्र अग्रवाल निवासी वार्ड नंबर 11 मनेन्द्रगढ रोड पटपरिया अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम नमनाकला स्थित भूमि खसरा नंबर 243/122 रकबा 0.022 हे0 भूमि को अनावेदक हरि प्रसाद सोनी पिता राधेश्याम सोनी निवासी नमनाकला तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के पास अंकन राषि रुपए 22,50,000/- में बिक्री करने का सौदा तय कर बिक्री अनुमति हेतु आवेदन पत्र श्रीमान कलेक्टर महोदय सरगुजा के समक्ष प्रस्तुत किया गया है, जो जांच एंव प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 12.11.2025 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा। आज दिनांकः- 14/10/2025 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

तहसीलदार
अम्बिकापुर, सरगुजा

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर, जिला सरगुजा, (छ०ग०)

ईश्तहार

रा०प्र०क्र०. /अ-2/2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक चंद्र प्रभा सिंह पत्नी शैलेन्द्र सिंह जाति क्षत्रिय निवासी मठपारा अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम मनीपुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) खसरा नंबर 375/14 रकबा 0.011, हे० भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 26/11/2025 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 10/11/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी (रा),
अम्बिकापुर

हम सब जानते हैं कि देश-समाज का भविष्य हमारे नौनिहालों के हाथों में है। इसलिए उनके लालन-पालन से लेकर उनके समग्र विकास पर बहुत ध्यान देने की जरूरत होती है। नए दौर में बच्चों के सामने कैसी चुनौतियां है, उन्हें किन स्तरों पर संघर्ष करना पड़ रहा है, इसे हमें समझाना होगा। तभी उनका बचपन सुरक्षित होगा और उनके साथ देश-समाज का भविष्य भी बेहतर बन सकेगा।

विशेष: बाल दिवस 14 नवंबर

हमारी सजगता से बच्चों को मिलेगा
सुरक्षित बचपन-बेहतर भविष्य

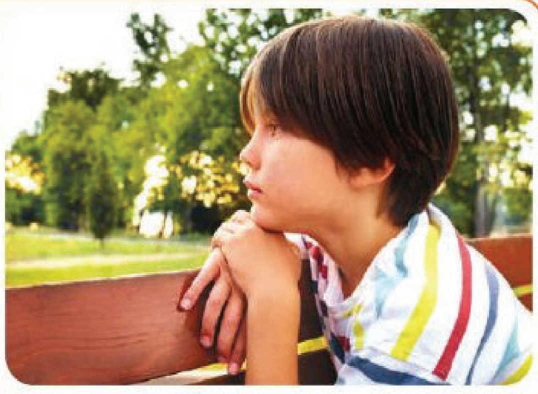

कवर स्टोरी
लोकमित्र गौतम

हर साल 14 नवंबर को पंडित जवाहरलाल नेहरू के जन्मदिवस पर भारत में बाल दिवस मनाया जाता है, जिसका पारंपरिक अर्थ रहा है- बच्चों की मासूमियत और जिज्ञासा को सहेजना। लेकिन यह कहना गलत नहीं होगा कि जब से बाल दिवस शुरू हुआ था, तब से अब तक इसके भावनात्मक अर्थ पूरी तरह से बदल चुके हैं। कभी यह बच्चों को टॉफी देने, उनसे कार्यक्रम करवाने और स्टेज से उन्हें अच्छी-अच्छी बातें सुनाने का दिन हुआ करता था। लेकिन 21वीं सदी के इस 25वें साल में बाल दिवस का मतलब हर बच्चे को डिजिटल, मानसिक और पर्यावरणीय रूप से सुरक्षित बचपन देना है।

बदल गए बाल दिवस के मायने

आज बच्चों से मुखातिब होने का मतलब उन्हें केवल शिक्षा और पोषण तक सीमित रखना नहीं है बल्कि आज के बच्चों का एक्सपोजर-एआई, सोशल मीडिया, मोबाइल एडिक्शन, जलवायु संकट और करियर को लेकर तरह-तरह के दबावों से घिरा हुआ है। आज बचपन के चारों तरफ नई-नई चुनौतियां हैं, जिन्हें शायद आज के चार दशक पहले के बच्चे जानते तक नहीं थे। इसलिए साल 2025 में बाल दिवस का वही मतलब नहीं है, जो 1970 या 80 में हुआ करता था। आज बाल दिवस का मतलब बच्चों को सुरक्षित, स्वतंत्र और खुशहाल इंसान बनाने का सपना ही नहीं बल्कि उन्हें उचित अवसर देना भी है। इसलिए आज यह दिन बच्चों को याद करने का नहीं, उनकी दुनिया को बेहतर बनाने का दिन है। आज यह दिन हममें उनके भविष्य के निर्माण के प्रति चिंता पैदा करता है। नई सदी की नई चुनौतियों के अनुरूप आज बच्चों के बचपन को संजोने से आगे बढ़कर उन्हें भविष्य के अनुरूप इंसान गढ़ने का दिन है।

कई दबावों से घिरा है बचपन

पंडित नेहरू बच्चों को देश का भविष्य मानते थे। उनका सोचना था कि अगर बच्चों को सही दिशा में सोचने, सवाल करने और सीखने की आजादी मिले तो वे आपकी कल्पना से भी ऊंची उड़ान भर सकते हैं। लेकिन हमने आजादी के बाद के पिछले 80 सालों में बचपन को फलने-फूलने के लिए एक खुला वातावरण देने की बजाय आज के बच्चों को प्रेशर कुकर पीढ़ी बना दिया। आज दस साल का बच्चा भी अपने करियर की उस तरह चिंता करता है, जैसी चिंता आजादी के तुरंत बाद के दिनों में 40 साल के अधेड़ भी नहीं करते थे। उस जमाने में बचपन का मतलब होता था- खेलना, बेफिक्र होकर जीना और जीवन की असफलताओं से गुजरकर सफलता की ओर बढ़ना। लेकिन आज स्थिति एकदम बदल गई है। ऐसा माहौल बन गया है जैसे आज जीवन में असफलता के लिए कोई जगह ही नहीं है। आज की तारीख में दस-बारह साल के बच्चे एक नहीं कई-कई क्षेत्रों में पारंगत बनने के लिए वैसी गंभीर ट्रेनिंग लेते हुए मिल जाएंगे, जैसे कभी वयस्क लिया करते थे।

बच्चों के बीच न पनपे असमानता

डिजिटल युग में बचपन की बाधाएं बिल्कुल अलग हैं। आज 27 करोड़ बच्चे इंटरनेट से जुड़े हुए हैं। अब किताबों से पहले उनके हाथ में स्मार्ट मोबाइल होते हैं, जबकि दूसरी तरफ बड़ी संख्या में ऐसे भी बच्चे हैं, जिन्हें जीवन की बुनियादी सुविधाएं भी हासिल नहीं हैं। ऐसे में भला देश के सभी बच्चे एक तरह से कैसे आगे बढ़ सकते हैं? यहां स्मार्ट फोन रखने वाले बच्चे ऑनलाइन शिक्षा, कोडिंग, डिजाइन और उद्यमिता के भविष्य का पाठ अपनी स्कूल की पढ़ाई के दौरान ही पढ़ना शुरू कर देते हैं, वहीं करोड़ों गांवों, कस्बों के बच्चों के लिए ये पाठ उनकी जिंदगी शुरू हो जाने के बाद भी मुश्किल से शुरू हो पाता है। इसलिए जरूरी है कि किसी भी तरह से व्यवस्था करके भारत में बच्चों के बीच असमानता की इस बड़ी खाई को पाटना होगा। आज बड़े पैमाने पर नई पीढ़ी को यह समझाने की जरूरत है कि अब डिजिटल साक्षरता केवल तकनीकी नहीं बल्कि उस मोड़ पर आ गई है, जहां इसे नैतिक शिक्षा का भी हिस्सा बनना चाहिए। बच्चों को आज यह बताना जरूरी है कि डिजिटल माध्यम उनके अच्छे भविष्य को संवारने का साधन मात्र है, साध्य नहीं।

भविष्य के लिए करना होगा तैयार

आज बाल दिवस के मौके पर हम बच्चों को कोई चीज समझाने के लिए रटाने की जिद नहीं कर सकते बल्कि उन्हें समस्या का हल निकालने का मैथड समझाना होगा, साथ ही नैतिक निर्णय लेने की क्षमता भी उनमें भरनी होगी, ताकि वह भविष्य में सिर्फ रोजगार के क्षेत्र में ही सफल न हों बल्कि जीवन जीने के मामले में भी बेहद कामयाब हो सकें। आज बच्चों में पर्यावरणीय चेतना जगाना एक्स्ट्रा एक्टिविटी नहीं, न उनको विशेष बनाना है बल्कि यह जीने की जरूरी गतिविधि का हिस्सा है।

इसी तरह बच्चों में समानता और समावेशिता की सीख देना सिर्फ उन्हें बेहतर इंसान बनाने की कोशिश नहीं है बल्कि उन्हें आज की प्रतिस्पर्धात्मक दुनिया में योग्य बने रहने का जरूरी गुण है और याद रखिए, आज के बच्चों को न तो पूरी तरह से घर की जिम्मेदारी पर छोड़ा जा सकता है और न ही मां-बाप उन्हें बेहतर इंसान और सफल नागरिक बनाने की सारी जिम्मेदारी स्कूलों पर डाल सकते हैं। यह स्कूलों और घरों के साझे अभियान का समय है। अगर हम बच्चों को भविष्य का सफल और शिष्ट नागरिक बनाना चाहते हैं, तो उन्हें आगामी चुनौतियों के लिए तैयार करना होगा। तभी बाल दिवस मनाना भी सफल होगा। *

बच्चों के तनाव को करें दूर

साल 2024 के एक राष्ट्रीय सर्वेक्षण के मुताबिक आज हर सात में से एक बच्चा किसी न किसी तरह के मानसिक तनाव से गुजर रहा है। मोबाइल युग के पहले ऐसा खतरा दूर-दूर तक नहीं होता था। आज बच्चों के सामने परीक्षा का डर, सोशल मीडिया की चिंता और माता-पिता की उम्मीदों की धुकधुकी उन्हें सहज नहीं होने देती। अगर हम बच्चों को भविष्य का स्वस्थ और सफल इंसान बनाना चाहते हैं, तो हमें उनके स्वास्थ्य को लेकर सहानुभूति से सुनने की सोच बदलनी होगी। स्कूलों में काउंसलिंग सेल, ओपन टॉक सेशन और इमोशनल लिट्रेसी प्रोग्राम लागू करने की बेहद जरूरत आन पड़ी है। आज बाल दिवस बड़ी शिद्दत से हमें याद दिलाता है कि बच्चों में भावनात्मक मजबूती, उनके सफल होने की बुनियादी शर्त है। साथ ही आज बदलते युग की जरूरतों में किसी न किसी कुशलता में दक्ष होना और अपनी गतिविधियों में वैल्यू एडिशन करने की क्षमता पाना भी जरूरी है। यह इसलिए जरूरी है, क्योंकि साल 2030 के बाद मशीनें सिर्फ मशीनें नहीं रहेंगी, वह इंसान से भौतिक प्रतिस्पर्धा करती नजर आएंगी। आने वाले दिनों में परंपरागत नौकरियां बदल जाएंगी। इसलिए आज की पीढ़ी को सीखना ही नहीं बहुत सतर्कता और सावधानी से अपनी क्रिएटिविटी और कोलेब्रेशन की क्षमता को भी साथ-साथ बढ़ाना है।

दायित्व
डॉ.अनिता राठौर

बचपन से किशोरावस्था तक बच्चों के जीवन में सबसे बड़ी भूमिका पैरेंट्स और टीचर्स की होती है। ऐसे में बच्चों के बेहतर, तनावरहित और उज्ज्वल भविष्य के लिए दोनों को उनकी जरूरतों और समस्याओं को गंभीरता से समझना होगा।

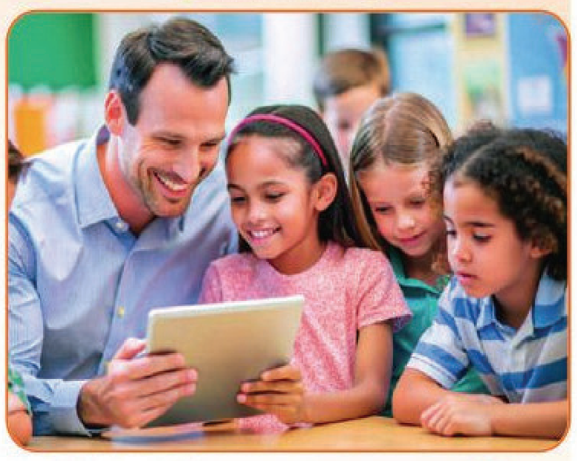

पैरेंट्स-टीचर्स जरूर समझें
बच्चों की जरूरतें-समस्याएं

हर साल मनाए जाने वाले बाल दिवस का आशय हमें इस बात का एहसास भी कराना है कि कैसे आने वाले समय में बच्चे अपनी कल्पना, मासूमियत और संवेदनशीलता को बरकरार रखते हुए आगे बढ़ सकें? लेकिन सवाल है क्या आज अभिभावक और अध्यापक सचमुच बच्चों के रोजमर्रा की जरूरतों को समझते हैं? क्या तकनीक के बदलाव के इस दौर के बच्चों की जुबान और उनके मन पर तेजी से पड़ रहे प्रभावों को वो समय के अनुरूप समझ पा रहे हैं और इसको ध्यान में रखते हुए उनके विकास की जरूरत की भाषा बोल-समझ पा रहे हैं?

बदलें अपनी मानसिकता: जिस तरह से इंटरनेट, सोशल मीडिया, स्मार्ट क्लास, डिजिटल गेम्स और जूम्स गैदरिंग ने आज की समूची जीवनशैली को बदलकर रख दिया है, उस जीवनशैली को आज की एक दशक पुरानी भाषा से न तो समझा जा सकता है और न ही व्यक्त किया जा सकता है। लेकिन सवाल है, क्या आज भी कई दशक पुराने अध्यापक जो हमारी शिक्षा व्यवस्था की बागडोर अपने हाथों से संभाले हुए हैं, उन्हें डिजिटल युग के इन बच्चों की अभिव्यक्ति की भाषा समझ में आती है? क्या वे उन्हें उनके अनुरूप भाषा में जवाब दे पा रहे हैं? यह सिर्फ अध्यापकों के समक्ष का सवाल नहीं है। सच तो यह है कि यह बात अभिभावकों पर भी पूरी तरह से लागू होती है। आज के बच्चों का बचपन सिर्फ खेल के मैदान में नहीं बल्कि खेल के मैदान में कम, स्क्रीन की रोशनी के बीच ज्यादा बीतता है। लेकिन उनके अधिकांश अभिभावक साथ ही अध्यापक भी आज भी 90 के दशक की उस मानसिकता में अटके हुए हैं, जहां बच्चों से उम्मीद की जाती है कि वे किताबों में डूबे रहें, अपनी क्लास में सबसे ज्यादा नंबर लाएं, बड़ों की बातों को बिना सवाल किए मानें और घर में जब रिश्तेदार आएं तो उनके सामने वे अपने मां-बाप और रिश्तेदारों द्वारा पूछे गए हर सवाल का जवाब गर्दन नीची करके दें।

बदल गई बच्चों की मन:स्थिति: आज के बच्चों की मनःस्थिति बिल्कुल बदल गई है। सच तो यह है कि आज के तेज रफ्तार विकास और चमत्कारिक हो चली तकनीकी के इस युग में उनके मनो-मस्तिष्क में जिज्ञासाओं और आशंकाओं की तेज रफ्तार के अंधड़ चल रहे हैं। फिर भी अभिभावक हों या अध्यापक, उनसे 90 के दशक के बच्चों की तरह ही अनुशासन और आज्ञाकारिता की मांग करते हैं। मां-बाप और स्कूल टीचर बच्चों को आज भी पुराने खांचे और सांचे में ढाले रखना चाहते हैं। आज के मां-बाप और अध्यापक इस बात को समझ ही नहीं रहे कि तेजी से आ धमके डिजिटल युग ने किशोरों की समूची मानसिक संरचना को बदल कर रख दिया है। आज 14 से 16 साल के बच्चे न सिर्फ भविष्य के अपने करियर को लेकर चिंतित हैं बल्कि अपने लाइफस्टाइल को लेकर भी उन पर अभी से दबाव है।

आज के बच्चे 'डिजिटल नेटिव्स' हैं यानी, ऐसी पीढ़ी जो तकनीक के साथ पैदा हुई है और समझती है कि उन्हें डांटने और रोकने की इजाजत भी मां-बाप के पास नहीं होनी चाहिए।

समझें नए दौर के बच्चों की जरूरतें: एक बड़ी समस्या यह भी है कि आज अभिभावक अपने बच्चों की ज्यादातर जरूरतों को भौतिक रूप ही समझते हैं। जैसे- उनका स्कूल अच्छा होना चाहिए, उनके पास अच्छी क्वालिटी का मोबाइल होना चाहिए, वो प्रतिष्ठित कोचिंग सेंटर या ट्यूटर से कोचिंग पढ़ें और उनके कपड़े अच्छे से प्रेस (इस्त्री) होने चाहिए। मां-बाप भूल जाते हैं कि बच्चों की इन सब चीजों के अलावा भी जरूरतें हैं। उनकी भावनात्मक और मानसिक जरूरतें। लेकिन यह सिर्फ मां-बाप की ही कहानी नहीं है, आज के अध्यापक भी भूल जाते हैं कि उनके छात्र, उनसे टेक्नोलॉजी में कुशलता के अलावा जीवन की कठिन गांठों को सुलझाने की उम्मीद भी रखते हैं। आज के किशोरों के दिल की बात सुनने वाला कोई नहीं है, न स्कूल में अध्यापक, न घर में मां-बाप।

जी लेने दें बच्चों को बचपन: आज अभिभावकों और अध्यापकों को ठहरकर इन बातों पर गौर करना चाहिए। ऐसे संक्रमण काल में यह जरूरी है कि अध्यापक और अभिभावक दोनों ही बच्चों के दिल की आवाज को गंभीरता से सुनें। आज भी बच्चों को उनकी रुचियों के मुताबिक जीने और बचपने का आनंद लेने की छूट दी जानी चाहिए, जिसके लिए जरूरी है कि अभिभावक और अध्यापक दोनों ही आज के बचपने की भाषा को गंभीरता से समझें, तभी इस सब कुछ की संभावना वाले युग में बच्चों का बचपन शानदार और खुशियों से भरा होगा। *

गजल
प्रताप सोमवंशी

वो सारा दर्द छुप जाता था जो घर-बार के अंदर
वही दिखने लगा है आज-कल अखबार के अंदर

वो घर के एक बूढ़े की तरह सबसे निभाता है
मुसीबत छह दिनों की छुप गई इतवार के अंदर

ये रिश्ते तौलना, गिनना, उठाना, देखना, रखना
ये हम परिवार के अंदर हैं या बाजार के अंदर

वहां रिश्तों की खिड़की पर हैं कितने कीमती पर्दे
घुटन महसूस होती है मुझे दीवार के अंदर

किसी को भी कभी शीशे के जैसे मत समझ लेना
बहुत चुभता है जब टूटा है कुछ किरदार के अंदर

भलाई सिर्फ इतना चाहती है सौंपकर सबकुछ
बदल जाए कहीं दुनिया में कुछ दो-चार के अंदर

बहुत मजबूत होते हैं ये मजबूरी के कांधे भी
जो पूरा गांव ढो कर रख गए बाजार के अंदर

व्यंग्य / विनय मोघे

मोबाइल का बवाल

सत्तर वर्षीय ख्यालीराम का परिवार चिंतित है, क्योंकि ख्यालीराम ने अन्न-जल त्याग देने की घोषणा कर दी है। कारण यह है कि घरवालों ने उनका मोबाइल उनसे ले लिया है। अब उनका फेसबुक, व्हाट्सएप सब बंद है। दुनिया से उनका संपर्क टूट गया है, इसीलिए उन्होंने अन्न-जल से अपना, संपर्क तोड़ लेने की ठान ली है।

दरअसल, कुछ महीने पहले ही उनके बेटे ने उनके जन्मदिन पर उन्हें अच्छा वाला स्मार्टफोन दिलाया था। उनके पौत्रों ने उनके मोबाइल पर कई सारे एप्स डाउनलोड कर दिए थे। ख्यालीराम की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। कांपते हाथों और कमजोर नजरों से ख्यालीराम उन एप्स का उपयोग करने लगे। बस यहीं से उनकी और उनके परिवार की परेशानी का सिलसिला शुरू हो गया।

पिछले दिनों जब एक दूर के रिश्तेदार की मृत्यु का समाचार व्हाट्सएप पर आया तो उनके कांपते हाथों ने फूल की जगह तालियों के साथ बहुत बढ़िया प्रकट करने वाला इमोजी भेज दिया। उनकी इस गलती पर ग्रुप के बाकी लोग बहुत नाराज हुए।

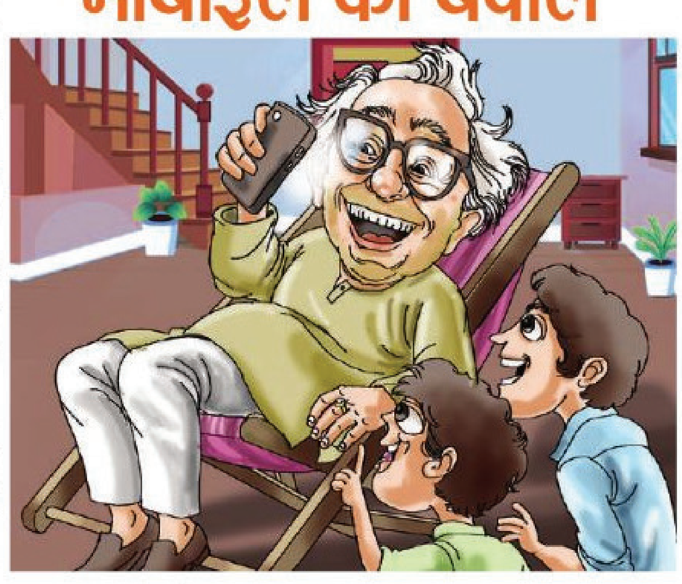

पिछले दिनों जब एक दूर के रिश्तेदार की मृत्यु का समाचार व्हाट्सएप पर आया तो उनके कांपते हाथों ने फूल की जगह तालियों के साथ बहुत बढ़िया प्रकट करने वाला इमोजी भेज दिया। साथ ही में RIP की जगह दो बार PIP-PIP भी लिख दिया। उनकी इस गलती पर ग्रुप के बाकी लोग बहुत नाराज हुए थे। हर बर्थ-डे और एनिवर्सरी पर सेम गलती करते या उनसे कोई और गलती हो जाती है। केक के चित्र की जगह या तो दूध की बोतल वाला चित्र भेज देते या कुत्ते को दी जाने वाली हड्डी का। बधाई संदेशों को खुद टाइप नहीं कर पाते तो कॉपी पेस्ट कर दिया करते। ऐसे में कभी एनिवर्सरी के उनके संदेश में अकसर पति-पत्नी की जोड़ी बदल जाती थी। पतियों को शायद उनका ऐसा करना अच्छा लगता हो पर पत्नियां नाराज हो उठती थीं। उनकी गलतियों से बचने के लिए उनके दोनों पौत्रों ने उन्हें वॉइस मैसेज भेजने का आइडिया सुझाया। एक बर्थ-डे पर उन्होंने जो वॉइस मैसेज भेजा, जिसमें सिर्फ उनके खांसने की आवाज और दो बार 'हे राम, ये खांसी तो मार ही डालेगी मुझे।' सुनाई दिया। पूरे मैसेज में बर्थ-डे का जिक्र कहीं नहीं हुआ।

फेसबुक पर अपने पुराने मित्रों, सहेलियों को ढूंढने के चक्कर में उनके नाम से मिलते-जुलते नाम वाले कई लोगों को अपना मित्र बना लिया था। कुछ ही दिनों में उनके मित्रों की कुल संख्या सैकड़ा पार कर गई थी, जिनमें असली मित्र बहुत ही कम थे। कांपते हाथों और कमजोर नजरों के कारण उनके फेसबुक मित्रों की संख्या में बेतहाशा बढ़ोतरी हो रही थी। एक दिन किसी ऑनलाइन शॉपिंग एप पर उनके कांपते हाथों और कमजोर नजरों के कारण 43 इंच एलईडी टीवी ऑर्डर हो गया, वो भी 'कैश ऑन डिलीवरी।' जिस दिन यह घटना हुई, उसी दिन घरवालों ने उनसे मोबाइल वापस ले लिया। मोबाइल के आदी हो चुके ख्यालीराम अब अन्न-जल के बिना रह सकते हैं पर मोबाइल के बिना नहीं। घरवाले सोच रहे हैं, उन्हें अन्न-जल दें या मोबाइल? *

एआई इमेज

लघुकथा / बालकृष्ण गुप्ता 'गुरु'

बड़ा आदमी

सुभाष के बारह वर्षीय बेटे राहुल ने मचलते हुए कहा, 'पापा, मुझे बड़ा आदमी बनना है।'

'इस सीढ़ी पर चढ़कर बैठ जा।' सुभाष ने दीपावली की सफाई के लिए निकाली गई सीढ़ी की ओर इशारा करते हुए मजाकिया ढंग से कहा।

राहुल भी हंसी-हंसी में सीढ़ी के तीन डंडों पर चढ़कर ऊपर बैठ गया।

पिता ने पहले अपने और फिर उसके सिर पर हाथ ले जाते हुए बताया, 'देखो, अब तुम मुझसे भी बड़े हो गए। ध्यान दो, तुम एक-एक सीढ़ी चढ़ते हुए बड़े बने हो।'

राहुल ने शिकायती लहजे में कहा, 'ऐसे नहीं, मुझे सचमुच का बड़ा आदमी बनना है।'

'इसके लिए तुम्हें अपने ही आस-पास के किसी बड़े आदमी को ढूंढना होगा, उसके समीप रहना होगा और फिर उसके जैसा बनने की कोशिश भी करनी होगी।'

राहुल ने सवाल किया, 'लेकिन कोई बड़ा आदमी है, मैं कैसे पहचानूंगा?'

'हां, यह समस्या तो है। पहले के समय में पहचान का तरीका अलग था। कोई सज्जन होता था, ज्ञानी होता था, समाज के हित के लिए काम करता था तो उसे बड़ा आदमी माना जाता था। आज के जमाने में किसी व्यक्ति के आस-पास के लोगों को व्यवहार देखकर यह जाना जाता है।' सुभाष ने बताया।

'उस व्यक्ति के बजाय उसके आस-पास के लोगों का व्यवहार देखकर पहचाना जाएगा कि वह कितना बड़ा आदमी है?' राहुल ने आश्चर्य से पूछा।

'हां!' पिता सुभाष ने मुस्कराते हुए जवाब दिया, 'कोई आदमी कहीं पहुंचे तो उसे आता देखकर वहां बैठे सारे लोग खड़े हो जाएं, वह आकर बैठ जाए तो सभी बैठ जाएं, वह आदमी चलने के लिए उठकर खड़ा हो तो शेष लोग भी खड़े हो जाएं, उसे छोड़ने बाहर तक जाएं, तब समझो कि वह बड़ा आदमी है।' *

पुस्तक चर्चा / सरस्वती रमेश

जीने का रास्ता दिखाती कहानियां

समय के साथ बहुत कुछ बदल गया है। इस बदलाव की सबसे बड़ी मार परिवार, रिश्ते, नाते और हमारी संवेदनाओं पर पड़ी है। हर किसी की जिंदगी में हर दिन कुछ ना कुछ टूट रहा है, बिखर रहा है। तकनीक की तरक्की ने दूरियों को और बढ़ाने का काम किया है। इन्हीं दूरियों, बिखराव और भटकाव के बीच जीने का रास्ता तलाशती हैं 'पा की डायरी' की कहानियां। इस पुस्तक की लेखिका आशा शर्मा हैं। लेखिका अपनी इन कहानियों में एक स्वप्न बुनती हैं। स्वप्न जिसमें परिवार का साथ, रिश्तों में नमी व स्त्री की स्वतंत्रता हो। शीर्षक कहानी 'पा की डायरी' दांपत्य प्रेम की अनूठी बानगी है। एक डायरी जो जीवन भर पत्नी को परेशान करती रही। पति के मृत्यु के बाद उसका रहस्य खुलता है, जो पत्नी को हैरान कर देता है। 'दिमाग वाली लड़की' आज की आत्मचेता स्त्री के स्वाभिमान की कहानी है। 'अधबुना स्वेटर' में लेखिका ने रिश्तों की गर्माहट की बड़ी आत्मीय कहानी लिखी है। 'प्रतिरूप', 'पिघलती बर्फ', 'जी ले जरा' आदि कहानियां भी जीवन के उतार-चढ़ाव को खूबसूरती से उकेरती हैं। कह सकते हैं कि ये आज के जटिल समय की कहानियां हैं। मगर लेखिका ने इसे बड़े सरल तरीके से लिखा है। बिल्कुल सुलझे अंदाज में। *

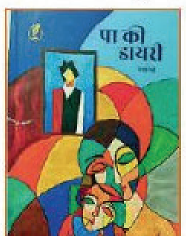

पुस्तक: पा की डायरी (कहानी संग्रह),
लेखिका: आशा शर्मा, **मूल्य:** 260 रुपए,
प्रकाशक: समृद्ध पब्लिकेशन, दिल्ली

प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना से दोहरा लाभ, सस्ती बिजली के साथ पर्यावरण संरक्षण में मिल रही मदद

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिले के नगर पंचायत राजपुर के निवासी संजय कुमार सोनी के चेहरे पर आज खुशी है। पहले जहां हर माह बिजली बिल के बढ़ते आंकड़े देखकर जो चिंता होती थी, अब वही जगह बचत की खुशी ने ले ली है। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना ने न केवल उनके घर को रोशन किया है, बल्कि उनके जीवन में आर्थिक राहत भी पहुंचाई है।

श्री संजय सोनी बताते हैं कि उनके घर में पहले बिजली की खपत अधिक थी। घर में कई पंखे, ए.सी., फ्रिज, वाशिंग मशीन जैसी आधुनिक सुविधाओं के चलते बिल हर माह हज़ारों रुपये का आता था। लेकिन जब उन्हें प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना की जानकारी मिली, तो उन्होंने योजना का लाभ लेने का निर्णय लिया। उन्होंने बिजली विभाग के सहयोग से अपने घर की छत पर 3 किलोवाट क्षमता का सोलर सिस्टम स्थापित कराया। इससे अब उनके घर की अधिकांश बिजली सौर ऊर्जा से पूरी हो रही है। अब बिजली की खपत बहुत कम हो गई है, और बिजली बिल लगभग घट गया है। पीएम सूर्य घर योजना अंतर्गत 1 लाख 8 हजार रुपये की सब्सिडी प्राप्त होगी, श्री सोनी बताते हैं कि सब्सिडी की राशि डीबीटी के माध्यम से उनके बैंक खाते में सीधे जमा होगी। उन्होंने कहा कि पहले हर माह 2000 से 2500 रुपये तक का बिल आता था। अब मुश्किल से सैकड़ा रुपये तक में सीमित हो गया। इससे परिवार को काफी राहत मिली है और बचत बढ़ी है। श्री सोनी कहते है कि प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने का एक दूरदर्शी कदम है।

राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस पर विशेष जागरूकता अभियान का किया गया आयोजन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। अध्यक्ष प्रधान जिला एवं जिला सत्र न्यायाधीश, श्रीमती विनीता वार्नर के सक्रिय मार्गदर्शन एवं जिला विधिक सेवा प्रधिकरण की सचिव पायल टोपनो के दिशा-निर्देशन में राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस

जिले के विभिन्न छत्रावासो में हुआ कार्यक्रम

के उपलक्ष्य में 08 एवं 09 नवम्बर 2025 हेतु संचालित विशेष जागरूकता अभियान अंतर्गत 9 नवम्बर राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस के अवसर पर शासकीय कुस्तुरबा गांधी आवासिय विद्यालय करकोटी, प्री-मैट्रिक बालिका छात्रावास भैयाथान, प्री-मैट्रिक बालक छात्रावास सूरजपुर, प्री मैट्रिक बालक छात्रावास बिहारपुर, प्री मैट्रिक बालक छात्रावास तिवरागुडी, ग्राम जजावल, ग्राम रमकोला, ग्राम गिरजापुर, ग्राम भुवनेश्वरपुर, ग्राम जगतपुर, ग्राम बरौधी, ग्राम परसापारा एवं ग्राम शिवनंदनपुर में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित हुए।

इस विशेष जागरूकता अभियान में थाना झिलमिली थाना रमकोला, एवं थाना रामानुजनगर द्वारा यातायात, सायबर सुरक्षा एवं

नशे के विरूद्ध संचालित जन जागरूकता अभियान को लेकर अपनी सहभागिता रखी। इस कार्यक्रम के अवसर पर अधिकार मित्र सत्य नारायण ने बताया की राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य वंचित और जरूरतमंद लोगों को नि:शुल्क कानूनी सहायता उपलब्ध कराना, कानूनी जागरूकता बढ़ाना और समाज में न्याय तक सबकी समान पहुंच सुनिश्चित करना है। यह दिन 09 नवम्बर को विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम 1987 के लागू होने की याद में मनाया जाता है, जिसके तहत राष्ट्रीय, राज्य और जिला स्तर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरणों की स्थापना हुई है। उन्होने आगे बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण का मुख्य उद्धेश्य समाज के कमजोर वर्गों को मुफ्त और सक्षम कानूनी सहायता प्रदान करना है।

इसका लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी व्यक्ति केवल आर्थिक या अन्य कारणों से न्याय से वंचित न रहे, साथ ही विवादों के सौहार्दपूर्ण समाधान के लिए लोक अदालतों का आयोजन करना है। इसके अतिरिक्त उन्होने सोशल मीडिया- इस्टाग्राम, फेसबुक आदि प्लेटफार्म का उपयोग करने में सावधानी बरतने एवं एप में दिये सेक्युरिटी सेटिंग को अपडेट करने के टिप्स दिये। उन्होने आगे बताया कि घर में कोई गाडी है तो बिना ड्राईविंग लायसेंश गाडी चलाने से बचे और गाडी का इंश्योरेंस अवश्य करवायें, बिना लायसेंस और इंश्योरेंस गाडी चलाने और दूर्घटना होने पर होने वाले नुकशान से अवगत कराया। इसके अतिरिक्त नालसा की टोल फ्री नं. 15100 की सेवाओं, प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज करने पर भी जानकारी दी। इस अवसर पर थाना झिलमिली, थाना रमकोला, थाना रामानुजनगर, से प्रधान आरक्षक और अन्य आरक्षकगण एवं अधिकार मित्र ब्रिजवासी सिंह, चिरंजीव लाल राजवाडे, सद्?दाम हुसैन, कृष्णकांत कुश्वाहा, कु. कांति सिंह, रोहित कुमार राजवाड़े, पेयम सिंह, अमन आकाश केरकेट्टा, नितेश कुमार साहू, श्रीमती पुष्पा साहू, अक्षयवर लाल गुप्ता, राजिया खान एवं प्रियंका यादव उक्त आयोजित कार्यक्रमों को सफल फनाने में अपना योगदान दिये।

मामूली विवाद पर मां बेटी ने खाया जहर, अस्पताल में भर्ती

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। घरेलू विवाद पर माँ बेटी ने जहर खाकर जान देने की कोशिश किये जाने की घटना सामने आई है। रामानुजनगर थाना क्षेत्र के भुवनेश्वरपुर भकमा का यह मामला है।बताया गया है कि गांव में भोजन बनाने को लेकर पति-पत्नी के बीच हुई मामूली कहासुनी हुई।जिस पर बात इतनी बढ़ी कि गुस्से में पत्नी 40 वर्षीय पूनम देवांगन ने खुद और अपनी 15 वर्षीय

बेटी को भी ज़हर खिला दिया। जानकारी लगने पर तत्काल उन्हें सूरजपुर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनकी हालत गंभीर बताई बनी हुई है। डॉक्टरों की टीम लगातार इलाज में जुटी हुई है।गांव के लोगों के मुताबिक, पति-पत्नी के बीच अक्सर छोटे-छोटे घरेलू विवाद होते रहते थे, लेकिन किसी ने नहीं सोचा था कि यह विवाद इतना खतरनाक मोड़ ले लेगा। रामानुजनगर पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

प्रथम नेशनल टीचर साइंस कांग्रेस में शा.उ.मा.वि. करवां की दो छात्राओं का उत्कृष्ट प्रदर्शन

देश के तीन उत्कृष्ट विद्यालयों में विद्यालय को मिला स्थान

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, करवां की दो प्रतिभाशाली छात्राएँ पूनम रजवाड़े एवं गीता सिंह ने प्रथम नेशनल टीचर साइंस कांग्रेस में अपने नवाचार मॉडल द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्टता का परचम लहराया है।

देश भर से प्राप्त 162 वैज्ञानिक परियोजनाओं में से इनकी प्रस्तुति को शीर्ष तीन उत्कृष्ट परियोजनाओं में चयनित किया गया। छात्राओं की गाइड टीचर डॉ निशा सिंह ने बताया कि बालिकाओं ने सोलर से चलने वाला एक सैनिटेशन किट बनाया है जिसे प्राथमिक स्वास्थ्य के दो एवं विद्यालयों में लगाकर महामारी के दिनों में बायोडिग्रेडेबल पैड एवं उसे सेनीटाइज करने की सुविधा आसानी से प्रदान की जा सकती है क्योंकि यह मशीन सोलर पैनल से चलती है। अत: बिजली के कटने का खतरा भी इसमें नहीं होता सिर्फ इतना ही नहीं इस मशीन में ऐसे भी कई फीचर लगाए गए हैं जिसके माध्यम से लोग इस मशीन से मोबाइल चार्ज कर सकते हैं लाइट जला सकते हैं एवं वाटर पंप भी चला सकते हैं। इस मशीन में एक बेसिन भी जोड़ा गया है यह पुरस्कार सिर्फ विद्यालय छात्राओं का नहीं बल्कि विद्यालय की वैज्ञानिक सोच, नवाचार क्षमता और शिक्षकों के मार्गदर्शन का प्रमाण है। इसके साथ ही, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, करवां को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रभावी क्रियान्वयन की दिशा में अग्रणी पहल करने हेतु देश के 75 चयनित विद्यालयों में से तीन उत्कृष्ट विद्यालयों में स्थान प्राप्त हुआ है। यह चयन विद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता, नवाचारशीलता और समावेशी दृष्टिकोण को दर्शाता है। इसके साथ ही डॉ. निशा सिंह के शोध पत्र का चयन उत्कृष्ट शोध पत्रों के अंतर्गत किया गया जिसमें उन्होंने छात्रों को व्यवसायिक शिक्षा से किस प्रकार जोड़ा जा सकता है इस पर शोध किया था।

जिला स्तरीय ई-ऑफिस क्रियान्वयन हेतु दिया गया प्रशिक्षण, जिला पंचायत में हुआ आयोजन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। सोमवार को यहां जिला पंचायत सभाकक्ष में जिला स्तरीय ई-ऑफिस क्रियान्वयन हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम कलेक्टर एस जयवर्धन और जिला पंचायत सीईओ विजेंद्र सिंह पाटले की उपस्थिति में आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण में जिले के जिला एवं विकासखण्ड स्तरीय अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल हुए।

कार्यक्रम में प्रतिभागियों को ई-ऑफिस के संचालन, प्रक्रिया एवं तकनीकी पहलुओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। प्रशिक्षण में सामान्य प्रशासन विभाग रायपुर द्वारा भेजे गए मास्टर ट्रेनर रवि एवं विनोद द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। उन्होंने ई-ऑफिस प्रणाली के माध्यम से कार्यालयीन कार्यों को तेजी, पारदर्शिता एवं दक्षता से संपन्न करने के संबंध में उपयोगी जानकारी एवं सुझाव प्रदान किए।

जिले के युवाओं के लिए मुफ्त सीजी पीएससी और व्यापम कोचिंग की सुविधा शुरू

जिला प्रशासन और एसईसीएल भटगांव के सहयोग से ए आज़ाद फाउंडेशन की पहल

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले में युवाओं के लिए अब सफलता का रास्ता और भी आसान हो गया है। जिला प्रशासन और एसईसीएल भटगांव के सहयोग से ए आज़ाद फाउंडेशन ने एक अनोखी पहल की है जिसमे जिले के प्रतिभाशाली और मेहनती युवाओं के लिए मुफ्त सीजी पीएससी और व्यापम कोचिंग की सुविधा शुरू की गई है। इस कोचिंग की शुरुआत एसईसीएल के सीएसआर मद से की गई है।

जिसका उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के होनहार छात्र भी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर सकें और अपने सपनों को साकार कर सकें। इस पहल की लोकप्रियता का अंदाज़ा इस बात से लगाया जा सकता है कि शुरुआत में ही 125 विद्यार्थियों ने एडमिशन ले लिया है।

पहले जहां जिले के छात्रों को तैयारी के लिए बाहर बड़े शहरों का रुख करना पड़ता था, अब वे अपने ही जिले में उच्चस्तरीय कोचिंग प्राप्त कर सकेंगे। इससे न सिर्फ़ छात्रों को घर से दूर जाने की परेशानी से छुटकारा मिलेगा, बल्कि परिवारों पर पड़ने वाला आर्थिक बोझ भी काफी कम होगा। कोचिंग में पढ़ाने के लिए अनुभवी और एक्सपर्ट शिक्षकों की टीम तैयार की गई है, जो छात्रों को विषयवार मार्गदर्शन, परीक्षा रणनीति, और मॉक टेस्ट की सुविधा प्रदान करेगी।

इन शिक्षकों का उद्देश्य सिर्फ़ पढ़ाना नहीं, बल्कि छात्रों में आत्मविश्वास जगाना और उन्हें सफलता की ओर अग्रसर करना है। यह पहल ग्रामीण और आर्थिक रूप से पिछड़े युवाओं के लिए एक बड़ा अवसर साबित होगी। अब जिले के छात्र भी बेहतर मार्गदर्शन और संसाधनों के साथ सरकारी नौकरियों की तैयारी कर सकेंगे।

इस कोचिंग से न केवल युवाओं का भविष्य उज्जवल होगा, बल्कि जिले के समग्र विकास में भी योगदान मिलेगा। ए आज़ाद फाउंडेशन की यह पहल यह साबित करती है कि अगर सही दिशा और सहयोग मिले, तो छोटे शहरों और गांवों के छात्र भी बड़ी सफलताएं हासिल कर सकते हैं।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी(रा0) अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ.ग.)

रा.प्र.क्र./अ–2/2025–26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक मंजू गुप्ता पत्नी राजकुमार गुप्ता जाति रौनियार निवासी भगवानपुरकला तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम भगवानपुरकला तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) खसरा नंबर 148/9 रकबा 0.028 हे० भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी–1, खसरा, नक्शा, भूमि उपयोगिता प्रमाण पत्र, ले–आउट, अधिकार अभिलेख, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 26/11/2025 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू–अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा–आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 10/11/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी (रा)
अम्बिकापुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी(रा0) अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ.ग.)

रा.प्र.क्र./अ–2/2025–26

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक अरुण कुमार आ० चमारी प्रसाद गुप्ता जाति रौनियार निवासी हंसुली तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम भगवानपुरकला तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) खसरा नंबर 148/10 रकबा 0.016 हे० भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी–1, खसरा, नक्शा, भूमि उपयोगिता प्रमाण पत्र, ले–आउट, अधिकार अभिलेख, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 26/11/2025 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू–अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा– आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 10/11/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी (रा)
अम्बिकापुर

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा पुत्र मनीष कुमार पैंकरा आत्मज गनेश राम पैकरा ग्राम–बगड़ा– पोस्ट–कोटेया थाना तहसील प्रतापपुर जिला सूरजपुर (छ.ग) का निवासी है, मेरे पुत्र का वास्तविक नाम मनीष कुमार पैकरा व जन्म तिथि 01/08/2012 कक्षा 5 वीं के अंकसूचि अंकित है किन्तु मेरे पुत्र के आधार कार्ड में नाम राहुल है जिससे परिवर्तित कर मेरे पुत्र का वास्तविक नाम मनीष कुमार पैकरा (MANISH KUMAR PAIKRA) आत्मज गनेश राम पैकरा दर्ज करने हेतु समक्ष अधिकारी के समक्ष शपथ पत्र प्रस्तुत कर रहा हूँ।

अतः अब से मेरे पुत्र मनीष कुमार पैकरा (MANISH KUMAR PAIKRA) आत्मज गनेश राम पैकरा के नाम से जाना पहचाना पुकारा व दर्ज किया जायेगा।

मनीष कुमार पैकरा
(MANISH KUMAR PAIKRA)
आत्मज गनेश राम पैकरा
ग्राम–बगड़ा– पोस्ट – कोटेया
थाना. तह० प्रतापपुर
जिला–सूरजपुर (छ.ग)
पिन–497223

ज्ञान के बिना व्यर्थ है कोई भी संपत्ति या वैभव : बरखा आनन्द

प्रतापपुर में हुआ विराट शिव गुरु महोत्सव, शिव शिष्यों का उमड़ा सैलाब

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। शिव शिष्य हरीन्द्रानन्द फाउंडेशन के तत्वाधान में महाविद्यालय खेल मैदान प्रतापपुर में विराट शिव गुरु महोत्सव का आयोजन किया गया। यह आयोजन पूर्णत: आध्यात्मिक स्वरूप का रहा, जिसका उद्देश्य, महेश्वर शिव के गुरु स्वरूप से जन-जन को जोड़ना, ताकि हर व्यक्ति के भीतर शिवभाव जागृत हो सके और वह अंधविश्वास, कुरीतियों एवं सामाजिक विभेदों से मुक्त होकर सत्य, ज्ञान और शिव के मार्ग पर अग्रसर हो। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में दीदी बरखा आनंद ने अपने प्रेरक उद्बोधन में कहा कि शिव केवल नाम के नहीं, बल्कि काम के गुरु हैं। शिव के औढरदानी स्वरूप से धन, धान्य, संतान और संपदा प्राप्त करने की परंपरा तो सर्वविदित है, परंतु अब समय है कि उनके गुरु स्वरूप से भी हम ज्ञान प्राप्त करें। ज्ञान के बिना कोई भी संपत्ति या वैभव व्यर्थ है। उन्होंने कहा कि भगवान शिव जगतगुरु हैं और हर धर्म, जाति, संप्रदाय या लिंग के व्यक्ति उन्हें अपना गुरु बना सकता है।

शिव का शिष्य बनने के लिए किसी दीक्षा या औपचारिकता की आवश्यकता नहीं, केवल यह विचार,'शिव मेरे गुरु हैं' ही शिष्यता की शुरुआत करता है। यही भावना हमें शिव से जोड़ती है और शिवभाव को स्थायी बनाती है। दीदी बरखा आनंद ने यह भी बताया कि साहब श्री हरीन्द्रानन्द ने सन् 1974 में भगवान शिव को अपना गुरु माना था, और 1980 के दशक तक यह शिव शिष्यता आंदोलन पूरे भारतवर्ष में फैल गया। उन्होंने और दीदी नीलम आनंद ने हर मानव को जाति, धर्म,

संप्रदाय और भेदभाव से परे होकर शिव के गुरु स्वरूप से जुड़ने का आह्वान किया।

वहीं भैया अर्चित आनंद ने कहा कि यह विचार केवल धार्मिक नहीं, बल्कि गहन आध्यात्मिक है। यह किसी संप्रदाय की सीमाओं में बंधा नहीं, बल्कि आत्मा और परमात्मा के शाश्वत संबंध की अनुभूति कराता है। उन्होंने कहा कि शिव का शिष्य होना ही मानवता की सर्वोच्च साधना है। उन्होंने अपने वक्तव्य में शिव शिष्यता के तीन सूत्र भी साझा किए। पहला सूत्र- अपने गुरु शिव से मन ही मन यह कहें हे शिव, आप मेरे गुरु हैं, मैं आपका शिष्य हूँ, मुझ शिष्य पर दया कर दीजिए। दूसरा सबको सुनाना और समझाना है कि शिव गुरु हैं, ताकि अन्य लोग भी शिव को अपना गुरु बना सकें। तीसरा अपने गुरु शिव को मन ही मन प्रणाम करना है। इच्छा हो तो 'नमः शिवाय' मंत्र से प्रणाम किया जा सकता है। अर्चित आनंद ने स्पष्ट किया कि इन तीन सूत्रों के अतिरिक्त किसी भी प्रकार के अंधविश्वास या आडंबर का कोई स्थान नहीं है। यही सूत्र आत्मबोध और शिवभाव का आधार हैं। महोत्सव में क्षेत्र के समीपवर्ती गाँवों और नगरों से बड़ी संख्या में शिव शिष्य परिवार के गुरु भाई-बहन उपस्थित हुए।

पूरे परिसर को भव्य रूप से सजाया गया था, जहां श्रद्धा और भक्ति का वातावरण शिवमय बना रहा। कार्यक्रम के दौरान विशेष रूप से मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या देवी साय, वन विकास निगम अध्यक्ष रामसेवक पैकरा, विधायक श्रीमती शकुंतला सिंह पोर्ते, जिला पंचायत अध्यक्ष चन्द्रमणि देवपाल पैकरा, जिला सदस्य लवकेश पैकरा, मंडल अध्यक्ष मुकेश अग्रवाल, नगर पंचायत अध्यक्ष मानती सिंह, उपाध्यक्ष अजित शरण सिंह, बुल्लू बाबा सहित अनेक जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता एवं वरिष्ठ नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। समापन सत्र में शिव शिष्य हरीन्द्रानन्द फाउंडेशन और जिला आयोजन समिति सूरजपुर ने सभी आगंतुकों, अतिथियों, स्थानीय प्रशासन और उपस्थित गुरु भाई-बहनों का आभार व्यक्त किया।

संपर्क करें
समाचार, ईश्तहार, विज्ञापन हेतु संपर्क करें।
दैनिक छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन
गौरव पथ, गुरूद्वारा के पास बाबूपारा अम्बिकापुर
मो. 7566950555
9713108088

सरगुजा फ्रंटलाइन

जितनी जरुरत उतनी कमाई, पहाड़ी कोरवाओं की है खासियत

विशेष परिस्थितियों में 500 से 1000 रुपये तक ही लेते हैं कर्ज

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। पहाड़ी कोरवा को सरकार द्वारा विशेष पिछड़ी जनजाति में शामिल किया गया है। इनका रहन-सहन औरों से बिल्कुल भिन्न होता है। ये जंगल व पहाड़ों पर रहना पसंद करते हैं। इन्हें बाहरी दुनिया से कोई मतलब नहीं होता, ये अपने में ही मस्त रहते हैं। महर्षि चार्वाक ने लिखा है 'यावेत जीवेत सुखम जीवेत, ऋणं कृत्वा घृतं पिवेत'। अर्थात जब तक जियो सुख से जियो, ऋण करके भी घी पीयो। वर्तमान समय में लोगों की स्थिति कुछ इसी तरह की है। इसके उलट कर्ज पहाड़ी कोरवा की परंपरा व जीवनवृत्त का हिस्सा नहीं है। जितनी जरूरत उतनी कमाई, इनकी खासियत है। यदि कभी

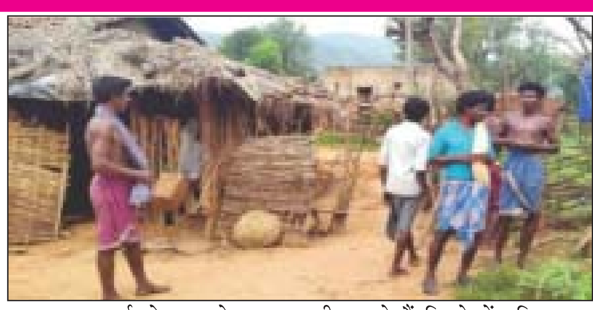

जरूरत पड़ गई तो 500 से 1000 तक का ही ये कर्ज लेते हैं।

आज के दौर में लोग चकाचौंध में रहते हैं। हर कोई शहरीकरण की दौड़ में शामिल होना चाहता है। अच्छे कपड़े, जूते व खान-पान के शौकीन है, लेकिन पहाड़ी कोरवा की जीवन शैली, रहन-सहन व काम करने का तरीका भी अन्य लोगों से अलग होता है। पहाड़ी कोरवा उतना ही कमाते हैं जितने में परिवार का गुजारा हो सके। ये सप्ताह में सिर्फ 2-3 दिन ही काम करते हैं, बाकी दिन आराम करते हैं। विशेष परिस्थितियों में यदि उन्हें पैसे की जरूरत पड़ गई तो किसी से 500 या 1000 रुपए उधार ले लेते हैं। इससे ज्यादा ये कर्ज लेना भी पसंद नहीं करते। यदि ये कर्ज नहीं चुका पाते हैं तो कर्ज देने वाले के घर हरवाही या मजदूरी कर चुका देते हैं।

ऐसी होती है इनकी जीवन शैली

पहाड़ी कोरवा जनजाति जंगल और पहाड़ों पर रहना पसंद करते हैं। जंगली जानवरों का शिकार व कंद, मूल इनका मुख्य आहार होता है। ये अपनी ही दुनिया में मस्त रहते हैं। पेड़ों के पत्ते, लकडियों व घास-फुस से अपना घर बनाते हैं। परिवार के पुरुष सदस्य कपड़े के नाम पर शरीर पर एक गमछा, लुंगी व टी-शर्ट पहनते हैं, जबकि महिलाएं साड़ी या धोती पहनती हैं। इस जनजाति का खान-पान भी अलग है। ये लोग मिट्टी के बर्तन में खाना बनाते हैं। चोंगी (पत्तों से बना पात्र) में खाना खाते हैं। कम संसाधन में ही ये बहुत अच्छा जीवन व्यतीत करते हैं। ये आम लोगों से दूरी बनाकर रखना पसंद करते हैं।

तीर-धनुष टांगकर करते हैं नृत्य

पहाड़ी कोरवा जनजाति के लोग मनोरंजन और तीज त्यौहार में कर्मा नृत्य करते हैं। इनका कर्मा, सोदे कर्मा नृत्य कहलाता है। एक डंडा गाड़कर उसमें झाड़ू लगाते हैं, फिर धनुष-बाण टांगकर अलग ही वाद्ययंत्र से ये नृत्य करते हैं।

मौत के बाद त्याग देते हैं घर

2010 में पहाड़ी कोरवा जनजाति पर शोध में अनोखी परंपरा सामने आई थी। एक पहाड़ी कोरवा के घर पर अगर किसी सदस्य की मृत्यु हो जाती है तो परिवार वह घर छोड़ देता है। हर मृत्यु के बाद ये लोग नया घर बनाकर रहते हैं। यह परंपरा आज भी कायम है।

संत गहिरा गुरू विश्वविद्यालय सरगुजा के डॉ.राजेंद्र लखपाले बने नए कुलपति

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय सरगुजा-अंबिकापुर के कुलाधिपति ने विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. प्रेम प्रकाश सिंह को हटा दिया है। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर के प्रोफेसर प्रो. डॉ. राजेन्द्र लखपाले को नया कुलपति नियुक्त किया गया है। डॉ. प्रेम प्रकाश सिंह एक साल पहले ही कुलपति बनाए गए थे। राज्यपाल के सचिव डॉ. सीआर प्रसन्ना की तरफ से जारी

आदेश में कहा गया है कि, डॉ. राजेंद्र लखपाले की नियुक्ति कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से प्रभावशील होगी। उनका कार्यकाल, उपलब्धियां और सेवा शर्तें छत्तीसगढ़ विश्वविद्यालय अधिनियम, 1973 और संबंधित परिनियमों के अनुरूप निर्धारित होंगी। प्रो. डॉ. लखपाले जनवरी 1992 से इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर से जुड़े हुए हैं। प्रो. डॉ. लखपाले कृषि विज्ञान के क्षेत्र में एक अनुभवी शिक्षाविद् और प्रशासक रहे हैं। उन्होंने इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर में कई महत्वपूर्ण पदों पर रहते हुए शैक्षणिक और अनुसंधान कार्यों में उल्लेखनीय योगदान दिया है।

गैरेज में खड़ी ट्रक से कार सवारों ने 300 लीटर डीजल पार किया

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। गैरेज में खड़ी ट्रक से 300 लीटर डीजल चोरी करके कार सवारों के द्वारा भागने का मामला प्रकाश में आया है। चोरी गए डीजल की कीमत 28350 रुपये बताई जा रही है। इसकी जानकारी मणीपुर थाना में दी गई है, जिस पर पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के मुताबिक तेंदूपत्ता के कार्य में लगी टीजीसी कंपनी के मुंशी, गंगापुर तुलसी चैक निवासी रामाशीष यादव पिता कामेश्वर यादव 30 वर्ष ने पुलिस को लिखित में अवगत कराया है कि 6 नवम्बर को ट्रक क्रमांक सीजी 15 डीवाई 8111 का चालक अरूण यादव जबलपुर से तेंदुपत्ता लोड करके बंगाल जाने के लिए निकला था। 8 नवम्बर को अंबिकापुर में मुन्ना डीजल गैरेज रिंग रोड़ में ट्रक को बनवाने के लिए रूका था, और रात में उसी ट्रक में खलासी सोनू यादव के साथ सोया था। अगले दिन 9 नवम्बर को अलसुबह करीब 4.50 बजे कुछ आवाज सुनकर दोनों उठे, तो दो लोग सफेद रंग के बलेनो कार में बैठकर वहां से तेजी से भाग गए, जिसका नंबर वह नहीं देख पाया। ट्रक के डीजल टैंक को देखने पर उसका लॉक टूटा हुआ मिला और डीजल चेक करने पर लगभग 300 लीटर डीजल नहीं था। इसकी जानकारी ट्रक का चालक अरूण यादव फोन करके मुंशी को दिया था। जब वह मौके पर गया तो ट्रक का लॉक टूटा हुआ था और टैंक में डीजल नहीं था। शिकायत पर पुलिस केस दर्ज कर ली है।

ई-ऑफिस के क्रियान्वयन हेतु प्रशिक्षण आज

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ के समस्त विभागों एवं कार्यालयों में ई-ऑफिस के सुचारू रूप से संचालन हेतु कार्यालय कलेक्टर के सभागार में 11 नवम्बर को प्रशिक्षण आयोजित किया गया है। प्रशिक्षण का समय 10.30 बजे से 12.30 बजे तक है, जिसके मास्टर ट्रेनर रवि निषाद हैं। दोपहर 2 बजे से 4 बजे तक मास्टर ट्रेनर विनोद देवांगन होंगे। प्रशिक्षण में जिले के नमांकित मास्टर ट्रेनर्स, नोडल ऑफिसर एवं जिला स्तर से प्रत्येक विभाग से कम से कम 2 अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहेंगे।

मेडिकल कॉलेज अस्पताल परिसर में सड़क डामरीकरण का काम शुरू

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। राजमाता श्रीमती देवेंद्र कुमारी सिंहदेव शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय संबद्ध चिकित्सालय परिसर में सड़क डामरीकरण का बहुप्रतीक्षित कार्य सोमवार को लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रारम्भ कर दिया गया। लंबे समय से निर्माण की प्रतीक्षा कर रहे इस सड़क निर्माण कार्य के पूरा होने से अस्पताल में आने-जाने वाले मरीजों एवं उनके स्वजन को बेहतर एवं सुगम सड़क सुविधा प्राप्त होगी।

अस्पताल प्रबंधन के अनुसार खराब सड़क होने के कारण स्ट्रेचर एवं व्हील चेयर के माध्यम से मरीजों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाने में काफी असुविधाओं का सामना करना पड़ता था। परिसर की सड़क के निर्माण उपरांत यह समस्या काफी हद तक समाप्त हो जाएगी और मरीज परिवहन की सुविधा में सुधार होगा। कार्य प्रारंभ के दौरान चिकित्सा महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. अविनाश मेश्राम, अस्पताल अधीक्षक डॉ. आर.सी. आर्या, पीडब्ल्यूडी विभाग के एसडीओ, वार्ड पार्षद सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। अस्पताल प्रबंधन के अनुसार यह निर्माण कार्य मरीजों की सुविधा, सुरक्षित परिवहन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

कांग्रेस ने प्रवक्ताओं का चयन करने नेशनल टैलेंट हंट कार्यक्रम किया लांच

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। कांग्रेस पार्टी ने जिला, प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर के प्रवक्ताओं का चयन करने के लिए कांग्रेस की आवाज के नाम से नेशनल टैलेंट हंट कार्यक्रम लांच किया है। इसका उद्देश्य विशेष तौर पर सुदृढ़ भाषाई और संचार कौशल वाले युवाओं की खोज कर उन्हें पार्टी से जोड़ना है। विगत दिनों छत्तीसगढ़ में इस कार्यक्रम को जारी करते हुए कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष दीपक बैज ने पूरे प्रदेश को 5 जोन में बांटा है, जिसमें सरगुजा संभाग को भी एक जोन बनाया गया है। प्रत्येक जोन में एक 5 सदस्यीय टीम का गठन इस कार्यक्रम के संचालन हेतु निर्धारित किया गया है।

सरगुजा जोन की टीम में शामिल कांग्रेस प्रवक्ता गुरुप्रीत सिंह सिद्धू ने जानकारी दी है कि नेशनल टैलेंट हंट कार्यक्रम में शामिल होने के लिए 7 नवंबर से 20 नवंबर तक ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत किया जाएगा। आवेदन पेश करने के लिए पार्टी ने लिंक और क्युआर कोड जारी किया है, जिसका उपयोग कर ऑनलाइन

आवेदन किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि 21 नवंबर से 25 नवंबर तक आवेदन पत्र की छटनी के बाद 25 से 30 नवंबर तक पात्र आवेदकों का ऑनलाइन साक्षात्कार होगा। इसके उपरांत 1 से 5 दिसंबर के बीच चयनित अभ्यर्थियों से फिजिकल साक्षात्कार और पैनल डिस्कर्सन कर कांग्रेस अपने प्रवक्ताओं को चुनेगी। गुरुप्रीत सिंह सिद्धू ने जानकारी दी है कि कांग्रेस अपने विचारधारा के प्रचार-प्रसार के लिए उन युवाओं के चयन को प्राथमिकता देगी, जो कांग्रेस के मूल्यों में आस्थावान हैं। उन्होंने कांग्रेस की विचारधारा के प्रति समर्पित युवाओं से अपील की है कि वो अधिक से अधिक संख्या में आवेदन देकर कांग्रेस प्रवक्ता बनने के अवसर में शामिल हो सकते हैं।

अरिहंत अस्पताल में पाई गई कमियां, आयुष्मान भारत पंजीयन का आवेदन निरस्त

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के मार्गदर्शन में सोमवार को जिला टीकाकरण अधिकारी एवं नोडल अधिकारी आयुष्मान भारत डॉ. राजेश भजगावली व आरसीएच नोडल अधिकारी डॉ. के.पी. विश्वकर्मा द्वारा अरिहंत अस्पताल अंबिकापुर का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान विभिन्न कमियां पाए जाने पर अरिहंत अस्पताल का आयुष्मान भारत पंजीयन आवेदन निरस्त किया गया।

निरीक्षण में पाया गया कि आवेदन में डॉ. तेजल उदय वाघे का पंजीयन महाराष्ट्र राज्य का है, वहीं अस्पताल के ओपीडी क्षेत्र में चिकित्सक की जानकारी चस्पा नहीं की गई है। लेबर वार्ड में आवश्यक उपकरण नहीं था, वेंटिलेटर की सुविधा उपलब्ध नहीं थी, एईआरबी रजिस्ट्रेशन नहीं था। इसके साथ ही आईसीयू चालू नहीं था। मॉनिटर एवं सेन्ट्रल ऑक्सीजन पाइप लाइन उपलब्ध नहीं था। बायो मेडिकल वेस्ट सर्टिफिकेट 9 बेड का लिया गया है, जिसकी वैधता वर्ष 2030 तक है, लेकिन वर्तमान में 20 बेड में संचालित है। फार्मेसी लाइसेंस, ब्लड बैंक लाइसेंस, एम्बुलेंस रजिस्ट्रेशन सर्टीफिकेट उपलब्ध नहीं था। नर्सिंग होम एक्ट में आवश्यक रजिस्टर संधारित नहीं किया गया था। अस्पताल में साफ-सफाई व्यवस्था, वाहन पार्किंग एरिया की व्यवस्था नहीं थी। इसी प्रकार अन्य कमियों के आधार पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा अरिहंत अस्पताल का आयुष्मान भारत पंजीयन आवेदन निरस्त किया गया है।

राष्ट्रवादी वक्ता पुष्पेन्द कुलश्रेष्ठ आज अंबिकापुर में

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। राष्ट्रवादी प्रखर वक्ता पुष्पेंद्र कुलश्रेष्ठ 11 नवम्बर को रायपुर से सड़क मार्ग द्वारा अंबिकापुर पहुंचेंगे, उनका आगमन लगभग शाम 5.30 बजे साड़बार बैरियर पर होगा, जहां लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक गणपति स्थापना ट्रस्ट अंबिकापुर द्वारा उनका भव्य स्वागत किया जाएगा। इसके पश्चात वे शाम 6 बजे मां महामाया मंदिर में दर्शन कर आशीर्वाद लेंगे। 6.30 बजे हाथी पखना स्थित गणपति धाम में भगवान गणेश की आराधना करेंगे और मीडिया से रूबरू होंगे। तत्पश्चात वे सर्किट हाउस में रात्रि विश्राम करेंगे। 12 नवम्बर को प्रातः 11 से 12 बजे तक सरस्वती महाविद्यालय भगवानपुर में विद्यार्थियों को 'राष्ट्रनिर्माण और आत्मनिर्भर भारत' विषय पर संबोधित करेंगे। शाम 5 बजे पी.जी. कॉलेज ऑडिटोरियम में 'आत्मनिर्भर

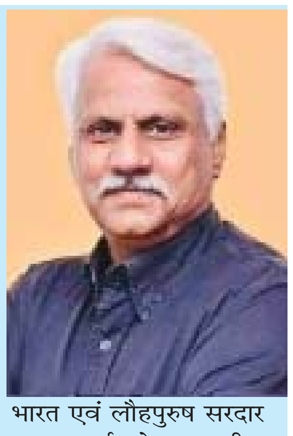

भारत एवं लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल का जीवन दर्शन' विषय पर उनका मुख्य व्याख्यान आयोजित किया गया है। इनके कार्यक्रम को लेकर लोकमान्य बालगंगाधर तिलक गणपति स्थापना ट्रस्ट की बैठक हुई , इसमें कार्यक्रम की रूपरेखा तय की गई है। आयोजन समिति के अध्यक्ष शैलेश सिंह शैलू ने कहा है कि आज की पीढ़ी को भारत के असली इतिहास और राष्ट्र की मूल भावना को समझने की आवश्यकता है।

सोसायटी का ताला तोड़कर शक्कर चोरी

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। लखनपुर थाना क्षेत्र के ग्राम कोसंगा में स्थित शासकीय उचित मूल्य दुकान का ताला तोड़कर चोरों ने करीब साढ़े नौ क्विंटल शक्कर चोरी कर लिया, इसकी कीमत 16 हजार 150 रुपये बताई जा रही है। सोसायटी के संचालक शंभू राम तिर्की ने पुलिस को बताया है कि 3 नवम्बर को सुबह गांव का अमर सिंह पिता स्व. सघोलन बताया कि सोसायटी का ताला टूटा हुआ है। इसके बाद वह सरपंच लोचन सिंह सहित अन्य लोगों के साथ सोसायटी गया तो ताला टूटा हुआ था। सामान का मिलान करने पर करीब साढ़े नौ क्विंटल शक्कर नहीं था। रिपोर्ट पर पुलिस केस दर्ज करके अग्रिम जांच कार्रवाई कर रही है।

राष्ट्रपति के प्रवास की तैयारियों का कलेक्टर एवं एसपी ने किया निरीक्षण

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मु का 20 नवम्बर 2025 को अम्बिकापुर आगमन प्रस्तावित है। उनके आगमन हेतु पीजी कॉलेज मैदान में होने वाले कार्यक्रम की तैयारियों का आज कलेक्टर श्री विलास भोसकर एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री राजेश अग्रवाल ने निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने ने कार्यक्रम स्थल की संपूर्ण व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर ने निरीक्षण दौरान की गई व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया, और सभी कार्यों को निर्धारित समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने सुरक्षा प्रबंधन, यातायात नियंत्रण और बैठक स्थल पर भीड़ प्रबंधन की समीक्षा की। उन्होंने सभी विभागों को समय-सीमा के भीतर कार्य पूर्ण करने और समन्वय बनाकर तैयारियां सुनिश्चित करने कहा। इस दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विनय कुमार अग्रवाल, अपर कलेक्टर सुनील नायक सहित विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

सरगुजा संभागीय सर्व ब्राह्मण समाज की संगठनात्मक बैठक संपन्न

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरगुजा संभागीय सर्व ब्राह्मण समाज की एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक सोमवार को हुई, जिसकी अध्यक्षता आई.बी. तिवारी एवं श्रीमती किरण मिश्रा ने संयुक्त रूप से की। बैठक में समाज के संगठनात्मक विस्तार एवं आगामी कार्यक्रमों पर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि संभागीय स्तर पर एक संभागीय अध्यक्ष, संभागीय सचिव एवं संभागीय कोषाध्यक्ष के पद सृजित किए जाएंगे। इसके साथ ही सभी छह जिलों से संभागीय उपाध्यक्ष, संभागीय उपसचिव एवं संभागीय सह-कोषाध्यक्ष का चयन किया जाएगा। प्रत्येक जिले में एक मीडिया प्रभारी की नियुक्ति की जाएगी, जिससे समाज के कार्यों का प्रभावी प्रसार सुनिश्चित हो सके। इसके साथ निकट भविष्य में सरगुजा संभागीय सर्व ब्राह्मण समाज का भव्य सम्मेलन आयोजित करने का निर्णय लिया गया, जिसमें संभाग के सभी विप्रजनों को आमंत्रित किया जाएगा। सम्मेलन में समाज को एकजुट करने, रचनात्मक सामाजिक कार्यों की रूपरेखा तय करने तथा युवक-युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन करने का भी निर्णय लिया गया। परशुराम चैक निर्माण हेतु नगर निगम को प्रस्ताव भेजने का निर्णय लिया गया तथा विप्र भवन निर्माण पर भी विस्तार से विचार-विमर्श हुआ। कार्यक्रम के दौरान समाज के गौरव डॉ. महेश मिश्रा जिला कोरिया एवं श्रीमती शिल्पा पाण्डेय को उनके उत्कृष्ट सामाजिक योगदान एवं उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया। बैठक का संचालन अभिषेक शर्मा ने किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में समाज के वरिष्ठजन, महिला सदस्य एवं युवा विप्रजन उपस्थित रहे, सभी ने समाजहित में अपने-अपने सुझाव साझा किए।

सेवा किटी ने दो कन्याओं के विवाह के लिए किया सहयोग, महिलाओं को सामग्री वितरण

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सेवा किटी समूह ने वाहन पार्किंग के कार्य में योगदान देने वाली बहनों को हर वर्ष की भांति शॉल, मिठाई, सेनेटरी नेपकिन और अन्य जरूरत की सामग्री दी। समूह की संस्थापिका वन्दना दत्ता ने सेवा किटी के सेवाभावी कार्यों से इन्हें अवगत कराया। परिवार, बच्चों की शिक्षा, विवाह या अन्य जरूरतों में सहयोग हेतु सभी सदस्यों ने अपनी बातों को रखा। कार्यक्रम को सफल बनाने में गायत्री सुल्तानिया, कुंजबाला जायसवाल, नीलिमा गोयल, मधु चैदह, सत्या दुबे, दीपमाला सिंह, स्मिता तिवारी का सहयोग सराहनीय रहा। इस दौरान दो जरूरतमन्द कन्याओं के विवाह हेतु सेवा किटी समूह ने आर्थिक सहयोग प्रदान किया। शारदा अग्रवल, नीलिमा गोयल, रश्मि गुप्ता ने विवाह हेतु आवश्यक सामग्री प्रदान की।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक- मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व आफसेट पुराना पोस्ट ऑफीस रोड दर्रीपारा अम्बिकापुर पिन नं. 497001 (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-रणविजय सिंह तोमर